RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः314, मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भूटान में भारतीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को मिला "बेस्ट सैंड स्कल्पचर आर्टिस्ट ... 03

अटल स्मृति सम्मेलन में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर, अटल जी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि 04

प्रभाष की 'द राजा साब' से सामने आया मालविका मोहनन का फर्स्ट लुक ... 07

विश्वगुरु बनना हमारी महत्वाकांक्षा नहीं, दुनिया की जरूरतः संघ चीफ

● आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पूर्व घटनाओं का किया उल्लेख

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदुओं से अपील की है कि वे हिंदू समाज और विश्व के कल्याण के लिए भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में कार्य करें। हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के सम्मेलन विश्व संघ शिविर के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि हिंदुओं और स्वयंसेवकों को उदाहरण प्रस्तुत करके दिखाना होगा कि मानव बुद्धि को वैश्विक कल्याण की दिशा में कैसे लगाया जा सकता है। मोहन भागवत ने लगभग 100 वर्ष पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी अरविंद ने घोषणा की थी कि सनातन धर्म का पुनरुत्थान ईश्वर की इच्छा है और इसके लिए हिंदू राष्ट्र का उदय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह समय अब आ गया है। भागवत ने आगे कहा कि भारत, हिंदू राष्ट्र, सनातन धर्म और हिंदुत्व, ये सभी पर्यायवाची हैं। उन्होंने संकेत दिया कि यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अब हमें इसे आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि भारत में संघ के प्रयास और विभिन्न देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघों के प्रयास एक ही हैं। हिंदू समुदाय को संगठित करना और पूरे विश्व में धार्मिक जीवन जीने वाले समाज का उदाहरण प्रस्तुत करना। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विश्वगुरु बनने के लिए संघ सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें फिर से विश्वगुरु बनने का कार्य करना होगा। यह हमारी महत्वाकांक्षा नहीं है,बल्कि विश्व की आवश्यकता है।

अपने ही आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

● नई समिति का होगा गठन,21 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

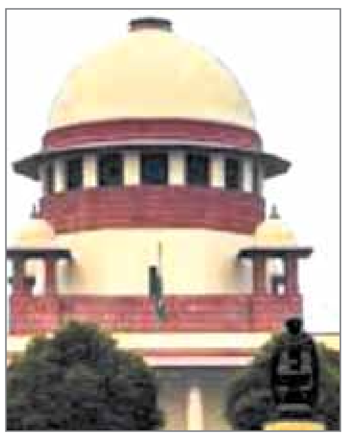

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा तय करने वाले आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 20 नवंबर को सुनाया गया फैसला अगली सुनवाई तक लागू नहीं होगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि अरावली पहाड़ियों के अध्ययन और सर्वे के लिए एक नई समिति बनाई जाएगी। सीजेआई ने कहा कि इस पर पुनः विचार किया जाना है कि क्या 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानने से अवैध खनन तो नहीं शुरू हो जाएगा। कोर्ट ने कहा कि उस इलाके की पहचान करने के लिए परिभाषा तय करनी है जो कि अरावली का हिस्सा नहीं हैं। बता दें कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार करते हुए मुहर लगा दी थी। कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली इस पर्वत श्रृंखला में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने

तक खनन पट्टों पर रोक लगा दी थी। अरावली को लेकर सबसे बड़ा विवाद इसकी भौगोलिक सीमा और परिभाषा को लेकर है। पहाड़ियों की स्पष्ट परिभाषा न होने के कारण कई बार निर्माण कार्यों और खनन को लेकर नियमों का उल्लंघन होता है। इससे पहले, न्यायालय ने अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के खिलाफ निर्णय लिया था। न्यायालय का मानना था कि इस तरह का निषेध अवैध खनन गतिविधियों को जन्म दे सकता है। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। समिति के अनुसार, ''अरावली पहाड़ी'' को उन चिह्नित अरावली जिलों में मौजूद किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे अधिक हो। वहीं, ''अरावली पर्वतमाला'' एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों का समूह होगा।

उन्नाव रेप केस

कुलदीप सेंगर को लगा 'सुप्रीम' झटका

● हाईकोर्ट के आदेश पर लगा दिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने उन्नाव रेप केस में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस भी जारी किया है। उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की फैसले को कानून के खिलाफ, गलत और समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका फाइल की। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को सस्पेंड करके पॉक्सो ऐक्ट के लक्ष्य को ही नजरअंदाज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की

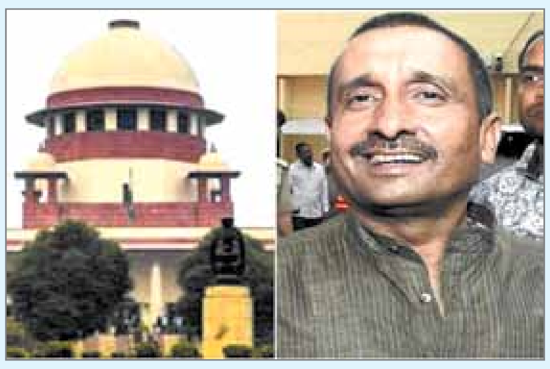

आजीवन कारावास की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने निलंबित कर दिया था और उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया था। सीजेआई ने कहा कि हाई कोर्ट के जिस जज ने फैसला सुनाया है वह बहुत अच्छे जज हैं। हालांकि गलती किसी से भी हो सकती है। पॉक्सो के तहत अगर कॉन्स्टेबल लोक सेवक हो सकता है तो विधायक को अलग क्यों रखा गया, यह चिंता का विषय है। बता दें कि सीबीआई ने हाई कोर्ट के सुनवाई से पहले पीड़िती का तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। हालांकि सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पीड़िता भी मौजूद थी। एजेंसी का कहना है कि हाई कोर्ट यह समझ ही नहीं पाया कि सेंगर विधायक थे और वह जनता के विश्वास के पद पर थे। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी आम नागरिक से कहीं ज्यादा बनती है। ऐसे में उनका दोषी पाया जाना भी बहुत बड़ी बात है। सीबीआई की ओर से तुषार मेहता पेश हुए।

घुसपैठियों के खिलाफ

देश भर में लागू होगा असम मॉडल

● अमित शाह बोले- असम जैसे अब पूरे देश से घुसपैठिए भगाएंगे ● स्वतंत्रता सेनानी गोपीनाथ ने किया था बड़ा काम

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था। केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92 फीसदी शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है। बटाद्रवा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है।

यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा। एक बार

असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को किया था मजबूर

फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दे। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा भेजा, लेकिन वे केवल 7 बार ही असम आए, जिनमें से 2 बार तो केवल राज्यसभा का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा थान में 227 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का उद्घाटन किया। यह स्थान असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि है। अमित शाह का पारंपरिक सत्रिया नृत्य और संगीत के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने गुरु आसन (पूजनीय गद्दी) वाले मुख्य भवन में जाकर दर्शन भी किए। श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र को 2021-22 के राज्य बजट में पुनर्विकास के लिए स्वीकृति दी गई थी। परियोजना का उद्देश्य शंकरदेव से जुड़े आदर्शों, जीवन-दर्शन और कलात्मक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- यह परियोजना श्रीमंत शंकरदेव की विरासत के सम्मान व असम के नामघर, सत्र और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

सिंधु जल समझौते पर भारत ने दिया एक और झटका

● फैसले से बौखलाया पाकिस्तान, लगाई न्याय की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के पर्यावरण विभाग की एक समिति ने चिनाब नदी पर दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण पर काम करने की मंजूरी दी है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर 27 तारीख को ही मंजूरी मिली है और उधर पाकिस्तान को इससे मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान की सांसद और पूर्व मंत्री शेरी रहमान ने इस पर सवाल उठाए हैं और बौखलाहट में भारत पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। रहमान ने कहा कि पानी को हथियार बनाना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक्स पर शेरी रहमान ने लिखा, ऐसा करना सिंधु जल समझौते का उल्लंघन है। भारत सरकार ने दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट स्टेज-2 को मंजूरी दी है। ऐसा करना गलत है। सिंधु जल समझौते के तहत कोई भी फैसला एकतरफा तौर पर नहीं लिया जा सकता। सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान का चिनाब, झेलम और सिंधु नदी के जल पर अधिकार है। वहीं भारत का अधिकार रावी, ब्यास और सतलुज पर है। इसके आगे वह लिखती हैं कि भारत ने अवैध तौर पर सिंधु जल समझौते को स्थगित किया है।

जमीन हड़पने वाले दबंगों

माफियाओं को न छोड़ें

● यूपी के अफसरों को सीएम योगी का सख्त आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे जमीन हड़पने वाले बलवानों और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करें। गोरखपुर में जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान सोमवार को उन्होंने करीब डेढ़ सौ लोगों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान का निर्देश दिया। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद

के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। प्रचंड ठंड के बावजूद जनता दर्शन में भीड़ रही।

रुद्राभिषेक कर लोक मंगल की कामना की

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की। हवन के साथ रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की कामना की। वर्ष 2025 के अंतिम सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्वपत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल और दूध से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक किया।

राज्यों से मांगा गया स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकार्ड

● पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने देश के सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वार्थ के लिए किए जाने वाले जन आंदोलनों को रोकने के लिए राज्यों से स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने को कहा गया। इसके लिए एक व्यापक

मानक परिचालन प्रक्रिया तैयार करने हेतु, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों से भारत भर में स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकॉर्ड शेयर करने को कहा है। इसके तहत विशेष रूप से 1974 के बाद हुए प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने का अनुरोध किया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रत्येक आंदोलन के बारे में जो प्रमुख विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया है, उनमें इसका कारण, विकास, आयोजक, संरचना, विचारधारा, किसी भी हिंसक घटना की के बारे में जानकारी शामिल है। **स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों का अध्ययन-** राष्ट्रीय पुलिस मिशन (एनपीएम) के बीपीआर एंड डी विभाग द्वारा जारी ये निर्देश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ब्यूरो को एसओपी तैयार करने का निर्देश देने के चार महीने बाद आए हैं। यह निर्देश स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों, विशेष रूप से 1974 के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के अध्ययन के बाद जारी किए गए थे, जिसमें उनके कारणों, वित्तीय पहलुओं, अंतिम परिणामों और पर्दे के पीछे के किरदारों का विश्लेषण किया गया था। पिछले महीने सभी पुलिस महानिदेशकों को भेजे गए एक पत्र में,कहा,सभी राज्य से अनुरोध है कि सभी विरोध प्रदर्शनों का विवरण प्रदान करें।

● **अमित शाह ने दिया था एसओपी तैयार करने का निर्देश-** इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस ने खबर दी थी कि गृहमंत्री अमित शाह ने बीपीआर एंड डी को एक एसओपी तैयार करने और उन विरोध प्रदर्शनों के कारणों, पैटर्न और परिणामों का विश्लेषण करने के लिए कहा है जिसमें पर्दे के पीछे के खिलाड़ी भी शामिल हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति आयोग (एनपीएम) को राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2025 की सिफारिशों के अनुरूप एक दस्तावेज तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इन सिफारिशों में कहा गया है कि बीपीआर एंड डी को अनुभवी और युवा टीमें गठित करनी चाहिए।

नए साल पर उत्तराखंड में बजरंग सेतु की सौगात

● 100 साल पुराने ऋषिकेश लक्ष्मण झूला पुल की लेगा जगह

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए

खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि किसी तकनीकी कारण से यदि मामूली देरी होती है, तो भी जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक बजरंग सेतु को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गंगा पर बन रहा यह आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज अब अपने अंतिम चरण में है। विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए।

अब भारत ने 'प्राणदान' देकर अफगानिस्तान से निभाई दोस्ती

● पाकिस्तानी ब्लैकमेल अब खत्म,तालिबानी कर रहे तारीफ

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान के हवाई हमले और दवाओं को लेकर ब्लैकमेल किए जाने के बीच भारत और अफगानिस्तान में दोस्ती अब और मजबूत होती जा रही है। भारत ने तालिबान सरकार से किया गया अपना वादा पूरा किया है और अफगानिस्तान को अत्याधुनिक एंबुलेंस की एक खेप सौंप दी है। इससे पहले तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली यात्रा के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह वादा किया था। जयशंकर ने उस समय कहा था कि भारत की ओर से 20 एंबुलेंस की खेप सद्भावना गिफ्ट है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत अफगानिस्तान के हॉस्पिटल्स के लिए एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन मुहैया कराएगा। साथ ही बच्चों की वैक्सीन और कैंसर की दवाएं भी देगा। रिपोर्ट के मुताबिक एंबुलेंस देना भारत और अफगानिस्तान के बीच हेल्थकेयर कोऑपरेशन का हिस्सा है। भारत काबुल में बच्चों के अस्पताल को गरम रखने का सिस्टम बदलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मोकामा में जल निकासी पाइप जलाया, असामाजिक तत्वों ने लगाई आग

पटना। पटना जिले के मोकामा प्रखंड में असामाजिक तत्वों ने जल निकासी के लिए बिछाए गए पाइप को जला दिया। करीब सात जगहों पर पाइप में आग लगाई गई है। यह जल पाइप बुडको (बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) की ओर से बिछाया गया था। इसका उद्देश्य एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के शुद्ध पानी को टाल से निकालकर गंगा नदी में छोड़ना था, ताकि टाल क्षेत्र में डूब रही फसलों को बचाया जा सके। घटना औटा गांव की है। 12 दिसंबर को प्रखंड के किसानों ने अपनी डूबती फसलों को बचाने और जल निकासी की मांग को लेकर फोरलेन जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया था। इसके बाद ही बुडको अधिकारियों ने जल निकासी की अस्थायी व्यवस्था के तहत पटना से हैवी पंप और पाइप भेजा था। बुडको के परियोजना निदेशक (पीडी) के आवेदन पर हाथीदह थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। किसान निलेश कुमार पवन ने कहा कि टाल में जमा पानी को निकालने के लिए पाइपलाइन बिछाई गई थी। एसटीपी के पानी से टाल की फसल डूबी हुई है जिसे निकालने के लिए मशीनरी लगाई गई है। रविवार रात्रि सात से ज्यादा स्थानों पर पाइप को असामाजिक तत्वों द्वारा जला दिया गया है। पानी नहीं निकलने पर किसानों को भारी क्षति होगी।

मारपीट के बाद अपहरण, 2 लाख की फिरौती ली, बुजुर्ग बोला- घर पर आए थे बदमाश, जबरन ले गए

पटना। बाढ़ अनुमंडल के बेलछी थाना क्षेत्र में एक 60 साल के व्यक्ति का अपहरण हो गया। इसे दो लाख रुपए की फिरौती लेकर छोड़ दिया गया है। बिस्कूरवा गांव निवासी भोलू मांझी को शुक्रवार रात उनके घर से अगवा किया गया था। भोलू मांझी ने बताया कि शुक्रवार रात दो लोग उन्हें घर बुलाने आए और रिश्तेदारों के आने की जानकारी दी। जब वह रिश्तेदारों को खोजते हुए घर से थोड़ी दूर आगे गए, तो दोनों व्यक्ति उन्हें बाइक पर बैठाकर गांव से बाहर ले गए। गांव से बाहर एक चार पहिया वाहन में चार अन्य लोग पहले से मौजूद थे। सभी ने मिलकर भोलू मांझी को जबरन गाड़ी में बैठाया, मारपीट की और उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी। इसके बाद उन्हें एक सुनसान जगह ले जाया गया। सुनसान जगह पर उनके हाथ-पैर बांधकर मारपीट की गई और उनकी बेटी को फोन कर फिरौती की मांग की गई। बेटी ने पैसे न होने की बात कही, जिसके बाद उनके दामाद ने दो लाख दो हजार रुपए देकर उन्हें छुड़ाया। अपहरणकर्ताओं ने उन्हें गांव से कुछ दूर छोड़कर फरार हो गए। घर पहुंचने पर भोलू मांझी को उनके दामाद ने बताया कि फिरौती देने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया है। यह घटना शुक्रवार रात की है। भोलू मांझी रविवार को बेलछी थाना पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद वह इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भी गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित ने मामले की सूचना दी है, लेकिन अभी तक उनकी ओर से लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस ने कहा है कि आवेदन मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना के फतुहा वी-मार्ट मॉल में कर्मियों की पिटाई, ग्राहकों से कपड़ों के टैग को लेकर हुआ झगड़ा

पटना। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुरा स्थित वी-मार्ट में एक घंटे तक जमकर बवाल हुआ। कपड़ों की खरीदारी के दौरान एक कपड़े में लगे टैग को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। देखते ही देखते मॉल का परिसर कर्मियों और ग्राहकों के बीच मारपीट का अखाड़ा बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही फतुहा पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद ही मॉल में विधि व्यवस्था सामान्य हो सकी। इस संदर्भ में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्राहक और सोनारु निवासी विमल कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि वे अपने परिवार के साथ खरीदारी करने गए थे। वहां मौजूद मॉल के मैनेजर और स्टाफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। दूसरी ओर वी-मार्ट के मैनेजर राहुल कुमार ने विमल कुमार समेत पंद्रह अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मैनेजर का आरोप है कि लोगों ने मॉल में घुसकर स्टाफ के साथ मारपीट की और वहां जमकर तोड़फोड़ की, जिससे संपत्ति का नुकसान हुआ है। फतुहा थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने बीच-बचाव कर मारपीट को रुकवाया और वहां शांति व्यवस्था कायम की। थाना अध्यक्ष के अनुसार, दोनों पक्षों की ओर से आवेदन मिले हैं, जिसके आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटना साहिब में गुरु गोविंद सिंह प्रकाश उत्सव संपन्न, तीन दिवसीय पर्व में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे

पटना। पटना साहिब तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा में तीन दिवसीय प्रकाश उत्सव संपन्न हो गया। इस अवसर पर देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और गुरु महाराज की शिक्षाओं को आत्मसात किया। उत्सव के दौरान पूरे गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक लाइटों और फूलों से सजाया गया था। सुबह से देर रात तक गुरबाणी, कीर्तन, अखंड पाठ साहिब और शब्द-कीर्तन का आयोजन किया गया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। रागी जत्थों की ओर से प्रस्तुत मधुर कीर्तन ने संगत को भावविभोर कर दिया। प्रकाश उत्सव के प्रथम दिन एक भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें पंज प्यारे, गतका दल, कीर्तन मंडलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। नगर कीर्तन के दौरान 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारों से पूरा पटना साहिब गूंज उठा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से शरबत, फल और जल सेवा की गई। तख्त श्री हरमंदिर साहिब प्रबंधन समिति ने संगत की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। चिकित्सा, आवास और लंगर की समुचित व्यवस्था थी। चौबीसों घंटे चलने वाले गुरु के लंगर में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। जो सिख धर्म की समानता और सेवा भावना का प्रतीक है। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक, सांसद, संत-महापुरुषों और विभिन्न सिख संगठनों के पदाधिकारियों ने भी गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और संगत को शुभकामनाएं दीं। देश-विदेश से आए सिख समुदाय के वक्ताओं ने अपने संदेश में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन, त्याग, साहस और मानवता के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। प्रकाश उत्सव के समापन पर अरदास की गई, जिसमें विश्व कल्याण, शांति और भाईचारे की कामना की गई। तीन दिवसीय यह पर्व श्रद्धा, सेवा और समर्पण की अनुपम मिसाल बनकर संपन्न हुआ। जिसने न केवल सिख समुदाय बल्कि सर्वधर्म समभाव की भावना को भी सुदृढ़ किया। इस मौके पर प्रबंधन कमेटी के लोगों ने बाहर से आए सभी श्रद्धालुओं को गुरु पर्व की शुभकामना दी।

पटना में असिस्टेंट इंजीनियर बहाली को लेकर हंगामा

सड़क पर उतरे कैंडिडेट्स, कहा- मेहनत और मेरिट की अनदेखी की जा रही है

एजेंसी, पटना

पटना में असिस्टेंट इंजीनियर की बहाली मांग को लेकर सैकड़ों अभ्यर्थी सड़क पर उतर आए हैं। विश्वेश्वरैया भवन के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। ये सभी कैंडिडेट्स बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की ओर से से आयोजित असिस्टेंट इंजीनियर परीक्षा में शामिल हुए थे। बहाली प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन और नारेबाजी की गई।

संविदा कर्मियों को प्राथमिकता देने का आरोपः प्रदर्शन में शामिल पुष्कर राज ने कहा कि रिक्तियों में फ्रेशर्स को दरकिनार कर संविदा कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है। कई संविदा कर्मियों का चयन एक साथ तीन से चार विभागों में हो रहा है, जबकि फ्रेशर्स योग्य होने के बावजूद नौकरी के लिए भटकने को मजबूर हैं।

मेहनत और मेरिट की अनदेखीः शिवम कुमार ने कहा कि फ्रेशर्स ने कड़ी मेहनत कर लिखित परीक्षा दी, लेकिन बहाली प्रक्रिया में उनकी मेरिट को नजरअंदाज किया जा रहा है। चयन प्रक्रिया इस तरह बनाई गई है कि संविदा कर्मियों का चयन लगभग तय हो जा रहा है और नए अभ्यर्थियों को बराबरी का मौका नहीं मिल पा रहा।

वेटेज नियमों में बदलाव का आरोपः अभ्यर्थियों ने बताया कि नियमावली के अनुसार संविदा कर्मियों को अनुभव के आधार पर वेटेज दिया जाना था। तय प्रावधान के तहत एक साल के अनुभव पर 5 अंक और अधिकतम 5 साल के अनुभव पर कुल 25 अंक का वेटेज मिलना था। यह वेटेज अंकों के रूप में निर्धारित था, न कि प्रतिशत के रूप में। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नियमों को बदलकर 25 अंक की जगह 25 प्रतिशत वेटेज दे दिया गया। इसका सीधा असर यह हुआ कि 400 अंकों की परीक्षा में संविदा कर्मियों को करीब 133 अतिरिक्त अंक मिल रहे हैं। इससे मेरिट लिस्ट पूरी तरह प्रभावित हो रही है और संविदा कर्मियों को बड़ा फायदा मिल रहा है।

पटना में किराना दुकान की आड़ में तस्करी

एजेंसी, पटना

पटना के कच्ची दरगाह इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। किराना दुकान की आड़ में चल रहे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान दुकान से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। मौके से दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाईः नदी थानाध्यक्ष शंकर झा ने बताया कि पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि कच्ची दरगाह स्थित एक किराना दुकान में अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम ने पहले सादे लिबास में दुकान की निगरानी की। इस दौरान देखा गया कि कई लोग अंदर जा रहे थे और बिना किसी सामान के बाहर निकल रहे थे। संदेह हुआ कि लोग पैकेट में छिपाकर गांजा ले जा रहे हैं।

छापेमारी में 2 किलो से अधिक गांजा बरामदः पुख्ता होने पर अचानक दुकान में छापेमारी की। तलाशी के दौरान 2 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 40 से 45 हजार रुपए बताई जा रही है। तुरंत गांजे को जब्त कर लिया और दुकानदार को हिरासत में ले लिया।

छापेमारी में 2.200 किलो गांजा बरामद, दुकानदार गिरफ्तार

वैशाली का रहने वाला है आरोपीः आरोपी की पहचान धनंजय राय के तौर हुई है, जो वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद गांव का रहने वाला है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के तार और कहां-कहां जुड़े हैं।

तेज रफ्तार कार को बचाने के चक्कर में पलटा ट्रेलर

एजेंसी, पटना

पटना के बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर औंटा गोलंबर के पास रविवार रात एक बड़ा हादसा टल गया। एक तेज रफ्तार मारुति कार को बचाने के प्रयास में एनटीपीसी के डस्ट से लदा एक ट्रेलर ट्रक पलट गया। इस घटना में कार सवार पांच लोग बाल-बाल बच गए।

ट्रक ड्राइवर जमुई निवासी देवेंद्र कुमार ने बताया कि यह घटना रविवार रात करीब 9:30 बजे हुई। औंटा गोलंबर पर अचानक एक तेज रफ्तार कार सामने आ गई। कार को बचाने के लिए ट्रक ड्राइवर ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इससे कार सवार सभी लोग सुरक्षित तो बच गए, लेकिन हाइवा बेकाबू होकर पलट गया। ट्रक के पलटने से उसमें लदा डस्ट सड़क पर फैल गया। एनटीपीसी से डस्ट लोड कर मुजफ्फरपुर जा रहा था।

ट्रक ड्राइवर को आई हल्की चोटें, कार सवार सुरक्षितः इस हादसे में ट्रक ड्राइवर देवेंद्र कुमार को हल्की चोटें आई हैं। कार मोकामा की ओर जा रही थी, जिसमें पांच लोग सवार थे।

♦ बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर फैला एनटीपीसी का डस्ट, बाल-बाल बचे कार सवार 5 लोग

वह सभी भी सुरक्षित हैं। हाथीदह थाना के अपर थानाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने हादसे की पुष्टि की है। फिलहाल, क्षतिग्रस्त ट्रक को सड़क से हटाने का काम किया जा रहा है। ताकि बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर आवाजाही प्रभावित न हो।

जयपुर में पटना के स्टूडेंट ने की खुदकुशी

एजेंसी, पटना/जयपुर

जयपुर में 12वीं मंजिल से छलांग लगाकर कॉलेज स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। वह एग्जाम में नकल करते पकड़े जाने के बाद डिप्रेशन में था। स्टूडेंट सुसाइड के लिए रेंट पर स्कूटी लेकर कॉलेज से 5 किलोमीटर दूर एक निर्माणाधीन बिल्डिंग पर पहुंचा था। स्टूडेंट ने बिल्डिंग की 12वीं मंजिल की दीवार पर बैग और मोबाइल रखा और छलांग लगा दी। फर्स्ट फ्लोर के छज्जे पर आकर गिरने से तेज धमाका हुआ। वहां काम कर रहे लोगों को लगा कि काम करते समय कोई मजदूर नीचे गिर गया। इसके बाद लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर बगरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में स्टूडेंट को बगरू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कॉलेज स्टूडेंट के बैग में जहर भी मिला।

निर्माणाधीन बिल्डिंग में पहुंचा और छलांग लगा दीः एसएचओ राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया- बिहार के पटना निवासी प्रियांशु राज (19) पुत्र प्रभात कुमार ने सुसाइड किया है। प्रियांशु राज ने 6 महीने पहले मणिपाल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था। वह कॉलेज के हॉस्टल में रहकर कंप्यूटर साइंस फर्स्ट ईयर में पढ़ाई कर रहा था। फर्स्ट सेमेस्टर में एक सब्जेक्ट में प्रियांशु राज के बैक लग गई थी। 26 दिसंबर को दोपहर 3 से 6 बजे तक उसका बैक पेपर का एग्जाम था। एग्जाम में चीटिंग के लिए प्रियांशु पर्चियां लेकर गया था। एग्जाम में नकल करते समय प्रियांशु पकड़ा गया। टीचर ने उसकी कॉपी और पर्चियां जब्त कर ली थी। इसके बाद उसे दूसरी कॉपी दे दी थी।

छत पर बैग-मोबाइल मिलाः एसएचओ ने बताया- पुलिस ने बिल्डिंग में सर्च किया तो 12वीं मंजिल की दीवार पर प्रियांशु का बैग और मोबाइल रखा मिला। बैग की तलाशी लेने पर उसमें रखे डॉक्यूमेंट से प्रियांशु की पहचान हुई। बैग में जहर और पानी की बोतल भी मिली।

बहकी-बहकी बातें कर रहा था, डिप्रेशन में लग रहा थाः मृतक के घरवालों और दोस्तों ने बताया- मोबाइल कॉल पर प्रियांशु बहकी-बहकी बात कर रहा था। वह डिप्रेशन में लग रहा था।

♦ 12वीं मंजिल से कूदा, एग्जाम में नकल करते पकड़े जाने के बाद डिप्रेशन में था

कॉलेज प्रशासन को इस बारे में पता चला तो उन्होंने वार्डन के जरिए उसे समझाया। वार्डन ने प्रियांशु को कॉल कर चीटिंग में पकड़े जाने पर कोई असर नहीं पड़ने के बारे में बताया। वार्डन से बात करने के बाद हॉस्टल जाने की कहकर उसने मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया।

5 किलोमीटर दूर निर्माणाधीन बिल्डिंग से छलांग लगाईः दोस्तों ने बताया- हॉस्टल के अंदर जाते समय रुका और वापस बाहर निकल गया। कॉलेज से कुछ दूरी स्थित व्हीकल रेंटल शॉप पर पहुंचा और किराए पर स्कूटी लेकर निकल गया। उसने रास्ते में किसी दुकान से जहर और पानी की बोतल भी खरीदी। देर शाम करीब 7:15 बजे बगरू टोल प्लाजा के पास निर्माणाधीन बिल्डिंग पर पहुंच गया। 12 मंजिल की निर्माणाधीन बिल्डिंग में मजदूरों के साथ ही प्रियांशु भी अंदर चला गया। उसे 12वीं मंजिल की दीवार पर बैग और मोबाइल रखा और छलांग लगा दी। फर्स्ट फ्लोर के छज्जे पर आकर गिरने से तेज धमाका हुआ। इस पर वहां भीड़ जमा हो गई।

किशनगंज समेत 9 जिलों में रहेगी ठिठुरन, खगड़िया में बारिश, बिहार के 22 जिले में कोल्ड-डे का अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में तेज ठंडी पछुआ हवा चल रही है, जिससे हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस की जा रही है। सोमवार को खगड़िया में ठंड के बीच बूंदाबांदी हुई। पटना, समस्तीपुर समेत अन्य जिलों में कनकनी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने किशनगंज, अररिया, सुपौल, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, बेगूसराय, जमुई और भागलपुर में ठिठुरन रहने का पूर्वानुमान जताया है। आज यानी सोमवार को प्रदेश के 22 जिलों में कोल्ड-डे और घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में दिनभर धूप नहीं निकलेगी और न्यूनतम तापमान सामान्य तापमान से काफी नीचे दर्ज किया जा सकता है। अररिया जिले के फारबिसगंज में तापमान सबसे कम 8.4 डिग्री दर्ज किया गया है। कोहरे का असर ट्रेन और फ्लाइट पर भी पड़ रहा है। पटना जंक्शन से 8 ट्रेनें लेट रहीं।

रविवार को पटना समेत प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में कोहरा छाया रहा। इससे दिनभर कड़ाके की ठंड महसूस की गई। पटना में सुबह घने कुहासे और बादलों के बाद दोपहर में हल्की धूप निकली, लेकिन तपिश नहीं थी। आधा घंटा में ही धूप बादलों के बीच छिप गई और ठंड के साये में पूरा पटना रहा। पटना सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में 11-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी पछुआ हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने 1 जनवरी को 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है।

♦ 8 डिग्री के साथ अररिया सबसे ठंडा

मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो नए साल तक बिहार में ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। अगले 4-5 दिनों तक कई जिलों में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया रहेगा। जबकि, दिन में भी धूप कमजोर ही रहेगी। खासकर उत्तर और पूर्वी बिहार के जिलों में ठंड का असर ज्यादा देखने को मिलेगा।

बिहटा में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा में ठंड का मौसम आते ही चोरों का गैंग एक्टिव हो गया है। रविवार देर रात घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसके आधार पर एक चोर की गिरफ्तारी हुई है। घटना विशनपुरा गांव की है। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि तीन अज्ञात चोर मुंह पर गमछा बांधकर आते हैं। पहले बाइक को स्टार्ट करने की कोशिश करते हैं। स्टार्ट नहीं होने पर उठाकर बड़े आराम से लेकर फरार हो गए। इस संबंध में वाहन मालिक प्रेमजीत कुमार उर्फ गोलू ने थाने में मामला दर्ज कराया।

बाइक की बरामदगी नहींः फुटेज की जांच के बाद एक चोर की पहचान हुई। इसके बाद बाइक मालिक और उनके साथियों ने मिलकर उस चोर को पकड़ लिया। फिर पुलिस को सौंप दिया। हालांकि चोरी हुई बाइक बरामद नहीं हो सकी। गिरफ्तार चोर की पहचान अक्षय कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस की पूछताछ में अक्षय कुमार ने बताया चार लोगों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। मैं दूर खड़ा था। मेरे दोस्तों ने गाड़ी चुराई है। चोरी की बाइक को 15 से 18 हजार रुपए में बेचते थे। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार चोर से पूछताछ की गई है। उसने अपने अन्य साथियों का नाम बताया है। जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

पटना के खुसरूपुर से कुख्यात अपराधी मुकेश गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। खुसरूपुर थाना पुलिस ने भुस्की टेम्पो स्टैंड से रंगदारी वसूल रहे कुख्यात अपराधी मुकेश कुमार को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

टेम्पो चालकों से रंगदारी की मिली थी शिकायतः पुलिस को सूचना मिली थी कि भुस्की निवासी मुकेश कुमार, जो स्व. देवेन्द्र यादव का बेटा है, टेम्पो स्टैंड पर चालकों से प्रति ट्रिप 20 रुपए की अवैध वसूली कर रहा था। वह 'नंबर लगाने' के नाम पर यह वसूली करता था। रंगदारी न देने पर वह चालकों के साथ मारपीट करता और जान से मारने की धमकी देता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस ने भुस्की टेम्पो स्टैंड पर छापेमारी कर आरोपी मुकेश कुमार को घेराबंदी कर दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए।

खुसरूपुर थाना में कांड संख्या-529/25 के तहत आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार मुकेश कुमार इलाके का शातिर अपराधी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उस पर साल 2002 से अब तक हत्या के प्रयास (धारा 307), लूट, रंगदारी और आर्म्स एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

जदयू बोली- राबड़ी आवास से टोंटी-कमोड चोरी हो सकता है

एजेंसी, पटना

बिहार में राबड़ी आवास से सामान की शिफ्टिंग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोमवार को भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखकर आवास में मौजूद सरकारी प्रॉपर्टी की निगरानी की मांग की है। नीरज कुमार ने कहा है कि, पंखा, एसी, फर्नीचर, बाथरूम फिटिंग, टोंटी, गीजर, शौचालय में लगा कमोड, खिड़की दरवाजों के पर्दे सहित अन्य सभी सरकारी सामान सुरक्षित मिले। भवन निर्माण विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकार ने जो सामान दिया है वो सुरक्षित हैं और वक्त पर वापस मिल जाए। नीरज कुमार ने लेटर में लिखा है कि, राबड़ी देवी और उनका परिवार आवास में मौजूद नहीं है और उनकी गैर मौजूदगी में आवास खाली किया जा रहा है तो भविष्य में यह आरोप लगाया जा सकता है कि सरकारी सामान उनके द्वारा नहीं बल्कि विभागीय लापरवाही या किसी साजिश के तहत हटाई गई। जिससे राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो सकता है।

लालू-राबड़ी, तेजस्वी पटना में नहीं तो कौन खाली करवा रहा आवास, सरकार निगरानी रखे

राबड़ी आवास से छोटी गाड़ियों में शिफ्ट किया गया था सामानः 25 दिसंबर को बिहार में राबड़ी आवास से सामान की शिफ्टिंग की तस्वीर सामने आई थी। उस रात 4 से 5 छोटी गाड़ियां पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) पहुंचीं। इन गाड़ियों से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया गया। इसके बाद यह दूसरी जगह भेजा जाएगा। रात के अंधेरे में राबड़ी आवास पहुंचीं छोटी गाड़ियों से पौधे और गार्डन के अन्य समान निकालने की तस्वीर समाने आईं थीं। ये शिफ्टिंग ऐसे वक्त हुई जब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पटना में नहीं थे, वो दिल्ली गए थे। तेजस्वी भी बाहर हैं। 20 साल बाद लालू परिवार को सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। एक महीने पहले 25 नवंबर को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा था। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि बिहार विधान परिषद के नेता विपक्ष के लिए पटना केंद्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है। सूत्रों के मुताबिक राबड़ी आवास को खाली करने की प्रक्रिया पिछले कुछ दिनों से चल रही है। पूरा सामान धीरे-धीरे महुआ बाग और आर्य समाज रोड स्थित आवास पर ले जाया जा रहा है। इस आवास को चरणबद्ध तरीके से खाली किया जाने लगा है।

नोटिस के खिलाफ लालू परिवार एकजुट दिखाः एक महीने पहले आवास खाली करने को लेकर मिले नोटिस पर लालू परिवार एकजुट दिखा था। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकर्ताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के भैयारी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।'

समय पर ओपीडी सेवा सुनिश्चित करें चिकित्सक- उप विकास आयुक्त

» परिवार नियोजन कार्यक्रम पर दें विशेष ध्यान
» सभी गर्भवती महिलाओं का समय से हो प्रसवपूर्व जांच

भव्या, एचएमआईएस पोर्टल एवं एफपीएलएमआईएस पोर्टल पर सही डाटा हो वैलिडेशन हो

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में उप विकासक आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में सोमवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिले में उपलब्ध हो रहीं स्वास्थ्य सुविधाओं, भव्या कार्यक्रम, ओपीडी सेवा सुनिश्चित कराने के साथ एचएमआईएस पोर्टल पर डाटा समय से अपलोड कराए जाने क्रो लेकर एवं स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध सभी सेवाओं का प्रखंडवार उपलब्धियों की समीक्षा की गईं। समीक्षा के दौरान जिला स्तरीय कमिटी बनाकर स्वास्थ्य सूचकांकों के आकड़ों की जांच करने पर निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त के द्वारा सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीयों को निर्देश दिया गया की सभी डॉ. समय पर ओपीडी सेवा देना एवं डाटा क्रो अपडेट करना सुनिश्चित करें, सभी मरीजों का शत-प्रतिशत वायटल जांच किया जाय। सभी मरीजों का ऑनलाइन कंसलटेशन सुनिश्चित किया जाए। परिवार नियोजन कार्यक्रम से संबंधित आकड़ों का प्रस्तुतीकरण जिला प्रतिनिधि पी.एस. आई. इंडिया के द्वारा किया गया जिसमें परिवार नियोजन से संबंधित सूचकांकों यथा महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी, पी.पी.आई.यू.सी.डी., आई.यू.सी.डी. एवं इन्जेक्शन अंतरा के प्राप्त उपलब्धियों पर को प्रस्तुत किया गया जिसपर डीडीसी के द्वारा कम उपलब्धि वाले संस्थान के प्रभारी को निर्देश दिया गया की उपलब्धि में सुधार लायें एवं आशावार उपलब्धियों की समीक्षा करें। जिन कर्मी के द्वारा इसमें रुचि नहीं लिया जाता है उसपर विभागीय कारवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सप्लाइ चैन सुदृढ़ रहे इसके लिए परिवार नियोजन के सामग्रियों का वितरण एफपीएलएमआईएस पोर्टल के माध्यम से हीं हो साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम को लेकर आशा व स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा समुदाय में जागरूकता फैलाई जाए। इस समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त के द्वारा एएनसी प्रथम चरण से लेकर चतुर्थ चरण तक की समीक्षा की गई और जहां इसमें गिरावट पाई गई वहां के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को स्थिति में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। मोतिहारी, घोड़ासहन, पकड़ीदयाल, बनकटवा एवं रामगढ़वा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को इस संबंध में जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया। यहां पर इस कार्यक्रम में काफी गिरावट पाई गई। सुगौली आदापुर और बंजरिया प्रखंड में इस कार्य में अच्छी उपलब्धि हासिल की गई थी। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों का विभिन्न प्रखंडों में डाटा अपडेट नहीं पाया गया जिसको लेकर उप विकास आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की एवं अरेराज, घोड़ासहन, तेतरिया प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से इस संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की गई। उप विकास आयुक्त के द्वारा निर्देश दिया गया जिला स्तरीय बैठक में आने से पहले सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने प्रखंड के कार्यों की समीक्षा कर लें एवं प्रतिवेदित डाटा की जांच कर लें। उन्होंने कहा कि पूरी तैयारी के साथ पदाधिकारीगण मीटिंग में भाग लें। संस्थागत प्रसव के मामले में मधुबन, चकिया, घोड़ासहन और तुरकौलिया में स्थिति बेहतर पाई गई। वहीं मोतिहारी, हरसिद्धि, कोटवा, बनकटवा एवं ढाका में लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि प्राप्त नहीं की गई थी। उप विकास आयुक्त के द्वारा इस संबंध में जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त के द्वारा आज की समीक्षा बैठक में जिला में उपलब्ध कराए जा रहे स्वास्थ्य सेवाओं की सभी इंडिकेटर पर समीक्षा की गई एवं इसमें सुधार की आवश्यकता बताई गई। उन्होंने कहा कि किसी भी इंडिकेटर के मामले में जिला का औसत राज्य की औसत से कम नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई मरीज अगर अस्पताल में आता है तो उसके साथ अच्छा व्यवहार किया जाए एवं देय सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उप विकास आयुक्त के द्वारा अस्पताल में आने वाले मरीज के एवरेज वेटिंग टाइम एवं एवरेज जर्नी टाइम की भी समीक्षा की गई और इस पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि बायोमेडिकल कचरा का उठाव सभी जगह किया जा रहा है। दीदी की रसोई भी संचालित हो रही है। बैठक में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मियों से स्पष्टीकरण की मांग करने का उप विकास आयुक्त के द्वारा निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि लगातार निर्देश के बाद भी अगर सुधार नहीं दिख रहा है तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाए। वहीं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरद चन्द्र शर्मा के द्वारा सभी को बताया गया की महिला बंध्याकरण को जो निश्चित दिवस निर्धारित है उस दिन निश्चित रूप से बंध्याकरण हो साथ गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक सेवा प्रदान किया जाए। बैठक में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, एसीएमओ, डीएस, जिला सुचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, डीएएम, अनुश्रवण पदाधिकारी, डीसीएम, सभी प्रखंड के एमओआईसी, जिला प्रतिनिधि पीएसआई इंडिया, पिरामल, सी-3, भव्या के जिला प्रतिनिधि व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

15 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा। पलनवा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर धांगड़ टोली में छापामारी कर अवैध चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने 15 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि धांगड़ टोली निवासी अर्जुन माझी के घर में चुलाई शराब छुपाकर रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर पर छापेमारी की, जहां से शराब बरामद की गई। कार्रवाई के उपरांत अर्जुन माझी के विरुद्ध थाना कांड संख्या 226/25 दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

रक्सौल में अलाव बना सहारा, लेकिन रेन बसेरा अब भी अधूरा सपना

बीएनएम @ रामगढ़वा। रक्सौल अनुमंडल में इस समय कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सड़क किनारे रहने वाले गरीब और बेघर लोग रातें खुले आसमान के नीचे कांपते हुए बिता रहे हैं। तापमान लगातार गिरने से लोग घरों में सिमट गए हैं, वहीं जो मजबूरी में बाहर निकल रहे हैं, उन्हें बढ़ती ठंड की सिहरन झेलनी पड़ रही है।ऐसे में अलाव इन गरीबों के लिए संबल बन रहा है, लेकिन रेन बसेरा (अस्थायी आश्रय गृह) की कमी गहरी चिंता का कारण बनी हुई है। जब इस बारे में अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि नगर परिषद और अंचल प्रशासन को जरूरत वाले इलाकों में अलाव जलाने का निर्देश दे दिया गया है। उन्होंने कहा, "एक वार्ड में स्थायी रेन बसेरा है और रेलवे स्टेशन क्षेत्र के लिए ईओ से फॉलोअप लिया जा रहा है।"नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) मनीष कुमार ने जानकारी दी कि "नगर परिषद क्षेत्र में 10 से 12 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है।" रेन बसेरा को लेकर उन्होंने बताया कि "एक जगह रेन बसेरा पहले से मौजूद है, लेकिन रेलवे स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य चलने से अनुमति नहीं मिली है। नयी जगह चिह्नित की जा रही है, जहां जल्द ही रेन बसेरा तैयार कराया जाएगा।"वहीं, अंचलाधिकारी शेखर राज ने बताया कि "लगभग सभी पंचायतों में अलाव की व्यवस्था की गई है, जिनमें भेलाही और गम्हरिया चौक जैसी जगहों पर अलाव लगातार जल रहे हैं। "हाल ही में एसडीओ मनीष कुमार के नेतृत्व में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण भी किया गया है। हालांकि, सड़कों पर दिनों-रात रहने वाले लोगों की पीड़ा अब भी कम नहीं हुई है।एक स्थानीय रिक्शाचालक ने कहा, "कंबल मिलने से ठंड से कुछ राहत मिलती है, लेकिन रात भर जागने वालों के लिए अलाव ही सबसे बड़ा सहारा है। "रक्सौल की गलियों में इस ठंड के बीच उठता धुआं भले ही राहत का प्रतीक बने, लेकिन रेन बसेरे की कमी अब भी प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई है।

शराब पीकर थाना पहुंचे पंचायत समिति सदस्य, पैरवी के चक्कर में पहुंचे जेल

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में जनप्रतिनिधि की एक हरकत चर्चा का विषय बन गई है। जानकारी के मुताबिक, विशुनपुरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मनीष कुमार (पिता रामकृपाल ठाकुर) सोमवार को थाना क्षेत्र में दर्ज एक हत्या के प्रयास मामले में एक आरोपी की पैरवी करने पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि मनीष कुमार नशे की हालत में थाना पहुंचे थे, जिसके बाद जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई।थाना प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए जनप्रतिनिधि को अरेस्ट कर मेडिकल जांच कराई और फिर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह घटना उस "पैरवी संस्कृति" पर सवाल उठाती है, जो हाल के दिनों में कई थानों में देखी जा रही है, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधि कानून से ऊपर समझते हुए केसों में दबाव बनाने या हस्तक्षेप करने पहुंच जाते हैं।कानून-व्यवस्था के जानकारों का कहना है कि पुलिस थाने में पैरवी करने की यह प्रवृत्ति प्रशासनिक कामकाज और न्याय प्रक्रिया दोनों को प्रभावित करती है। पिपरा प्रकरण अब इस बात का उदाहरण बन गया है कि कानून सबके लिए समान है, चाहे वह आम नागरिक हो या जनप्रतिनिधि।

समग्र एवं सतत विकास को गति देने के उद्देश्य से अति महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का कार्य प्रारंभ : महापौर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महापौर प्रीति कुमारी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं उनके द्वारा लिए गए निर्णयों के आलोक में नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर के समग्र एवं सतत विकास को गति देने के उद्देश्य से अति महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर की वर्षों पुरानी जल निकासी समस्या का स्थायी समाधान करना तथा सड़क एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़, सुरक्षित और सुचारू बनाना है। नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र में व्यापक स्तर पर नाला एवं सड़क निर्माण के कार्य कराए जा रहे हैं। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में महापौर प्रीति कुमारी ने बताया कि प्रमुख कार्यों में बंगाली कॉलनी से छतौनी चौक तक मुख्य नाला निर्माण के साथ सड़क के दोनों किनारों पर पेवर ब्लॉक का निर्माण, मठिया जिरात एनएच से धर्म समाज चौक तक मुख्य नाला निर्माण, जमला रोड में मुख्य नाला निर्माण, बाजार समिति रोड में मुख्य सड़क एवं नाला निर्माण तथा छतौनी चौक से मीना बाजार होते हुए जानपुल चौक तक सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक का निर्माण कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त नगर निगम क्षेत्र के अन्य विभिन्न मोहल्लों एवं मार्गों पर भी सड़क और नाला निर्माण के कार्य प्रगति पर हैं। इन योजनाओं के पूर्ण होने के पश्चात मोतिहारी शहर में जलजमाव एवं जल निकासी से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सकेगा, जिससे आम नागरिकों को विशेषकर बरसात के मौसम में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। मुख्य सड़कों के दोनों ओर पेवर ब्लॉक लगाए जाने से सड़क की प्रभावी चौड़ाई में वृद्धि होगी, जिससे पैदल यात्रियों एवं वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही नई एवं सुदृढ़ सड़कों के निर्माण से यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम मोतिहारी शहर के नागरिकों को बेहतर, आधुनिक एवं टिकाऊ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि मोतिहारी को एक स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं विकसित शहर के रूप में स्थापित किया जा सके।

भूटान में भारतीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को मिला "बेस्ट सैंड स्कल्पचर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर" अवॉर्ड

बीएनएम @ मोतिहारी

भारतीय सैंड आर्ट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पहचान दिलाने वाले प्रसिद्ध रेत कलाकार मधुरेंद्र कुमार को रेत कला के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और जन-जागरूकता से जुड़े विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट सैंड स्कल्पचर निर्माण के लिए "बेस्ट सैंड स्कल्पचर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रविवार को भूटान की राजधानी थिम्फू स्थित नामसेलिंग बुटीक होटल, फेंडेय लाम में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अचीवर्स अवॉर्ड फेस्टिवल 2025 के दौरान प्रदान किया गया। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि मधुरेंद्र कुमार को यह पुरस्कार रेत से विशाल और जीवंत कलाकृतियों के निर्माण, सामाजिक संदेशों जैसे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और मानव मूल्यों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने तथा लगातार अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्ट फेस्टिवल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण दिया गया है। साल 2025 में मधुरेंद्र कुमार की रेत कला को लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला। इसके अलावा उन्हें भारत गौरव सम्मान और डॉ. भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय सम्मान से भी नवाजा गया। इन्हीं उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर उन्हें भूटान में वर्ष 2025 का "वर्ष का सर्वश्रेष्ठ सैंड स्कल्पचर कलाकार" घोषित किया गया।

पहली बार किसी भारतीय को मिला यह सम्मान- जेडीएन ग्रुप ऑफ बिजनेस के संस्थापक जैक्सन डुक्पा ने मधुरेंद्र कुमार को अंगवस्त्र, मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है जब यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार किसी भारतीय सैंड आर्टिस्ट को प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में ग्लोबल विलेज कनेक्शन, आईईएचआरएससी, शे-साइकिल सॉल्यूशन भूटान तथा भारत एबीएम के फाउंडर अमोल भगत भी मौजूद रहे।

50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता- भारत गौरव से सम्मानित मधुरेंद्र कुमार अब तक दुनिया के 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्ट चैंपियनशिप और फेस्टिवल्स में भाग लेकर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं।

सम्मान मिलने पर कलाकार की प्रतिक्रिया- मधुरेंद्र कुमार ने कहा, "यह सम्मान मेरी रेत कला के सामाजिक उद्देश्य को मिली पहचान है। मैं इसे अपने देश भारत, बिहार की धरती और उन सभी लोगों को समर्पित करता हूं जिन्होंने मेरी कला और मेरे संदेश को समझा और समर्थन दिया।"

धान अधिप्राप्ति की हुई समीक्षात्मक बैठक दिए गए आवश्यक निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार द्वारा जिला के सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, निबंधित सभी राइस मिलर एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी के साथ शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में धान अधिप्राप्ति समीक्षा बैठक की गई। उप विकास आयुक्त के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी निबंधित राइस मिलर से मिल संबद्धता को लेकर यदि कोई सुझाव/शिकायत को लेकर जानकारी मांगी गई। जिस पर सभी उपस्थित मिलर एवं सहकारिता प्रसार पदाधिकारी द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। वहीं उप विकास आयुक्त डॉ. कुमार के द्वारा मिलों की पैक्स से दूरी एवं मिलिंग क्षमता के आधार पर समानुपातिक संबद्धता पैक्सों से करने का निर्देश दिया गया। सभी मिलर को एडवांस सीएमआर तैयार रखने का निर्देश दिया गया, ताकि एफआरके सप्लाई होते ही सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम को त्वरित गति से की जा सके।

तुरकौलिया बाजार में चला प्रशासन का बुलडोजर, सैकड़ों पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया बाजार में सोमवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी बाजार पहुंचे, जिनके साथ बुलडोजर और जेसीबी मशीन भी मौजूद थी। भारी संख्या में पुलिस और अधिकारियों को देखकर अतिक्रमणकारियों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान अंचलाधिकारी संतोष कुमार, राजस्व अधिकारी, अंचल कर्मी तथा पुलिस पदाधिकारी मौके पर मौजूद थे। प्रशासन के पहुंचते ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। इस दौरान किसी का मकान तो किसी की दुकान को तोड़ा गया। अतिक्रमण के दायरे में आए आलीशान मकान भी नहीं बच पाए। जिन भवनों का कुछ हिस्सा सड़क अथवा सरकारी जमीन पर अतिक्रमित पाया गया था, उन्हें भी ध्वस्त किया गया। अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि मापी के बाद अतिक्रमणकारियों को 28 दिसंबर तक स्वयं अतिक्रमण हटाने का समय दिया गया था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद 29 दिसंबर से प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने पहले ही स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लिया था। कुछ लोगों ने स्वयं जेसीबी मंगाकर अपने घर या दुकान का अतिक्रमित हिस्सा तोड़ दिया, ताकि प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान होने वाली क्षति कम से कम हो। मापी के दौरान जहां-जहां लाल निशान लगाए गए थे, वहां प्रशासन का बुलडोजर चलाया गया। देखते ही देखते एक मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। घर की महिलाएं और बच्चे अपने-अपने छतों से टूटता हुआ घर देखते रहे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई देखने के लिए मौके पर हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। पुलिस बल भीड़ को नियंत्रित करने में जुटा रहा, ताकि तोड़फोड़ के दौरान उड़ने वाले ईंट-पत्थर से किसी को नुकसान न पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बताया कि घर और दुकानों के निर्माण में लाखों-हजारों रुपये खर्च हुए थे, जो पल भर में मलबे में बदल गए। वहीं अंचलाधिकारी ने अतिक्रमणकारियों से अपील की कि वे स्वयं अतिक्रमण हटा लें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक बाजार और सड़कें अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जातीं, तब तक यह अभियान जारी रहेगा। इसके बाद महानवा, बोरिंग चौक, कमिटी चौक, कवलपुर, बैरिया बाजार समेत अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

विदेश भेजने के नाम पर 21 लाख की ठगी, मास्टरमाइंड लखनऊ से गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अंतरराज्यीय ठग गिरोह के एक बड़े सदस्य को ट्रैक कर लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है, जिसने विदेश भेजने के नाम पर जिले के एक युवक से 21 लाख रुपये की ठगी की थी। मामला साइबर थाना कांड संख्या 101/25, दिनांक 24 जून 2025 का है। वादी अरसद अली, निवासी उचीडीह, थाना हरपुर, जिला पूर्वी चंपारण ने थाना में मामला दर्ज कराया था कि आरोपी ने नौकरी दिलाने व विदेश भेजने के नाम पर उनसे भारी रकम वसूली। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान सद्दाम हुसैन, पिता इद्रिश अंसारी, निवासी फाजलपुर महरौला तराई, जिला उधमसिंह नगर (उत्तराखंड), हाल निवासी लखनऊ, के रूप में की। साइबर थाना, मोतिहारी के पुलिस उपाधीक्षक अभिनव पराशर के निर्देशन में गठित छापामारी टीम ने लखनऊ में सफल अभियान चलाकर आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने 24 पासपोर्ट (23 भारतीय और 1 बांग्लादेशी), 100 से अधिक फर्जी एग्रीमेंट पेपर, एक एप्पल लैपटॉप, दो मोबाइल, एक स्वाइप मशीन, एक स्कैनर और अन्य संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए।पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और कबूल किया कि उसने विदेश नौकरी स्कीम के नाम पर कई लोगों को ठगा है। पुलिस के अनुसार, उसके नेटवर्क में कई अन्य राज्यों के दलाल और फर्जी ट्रैवल एजेंट शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। साइबर पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई जिले में लगातार चल रहे "ऑपरेशन साइबर वार" अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अब तक दर्जनों आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।डीएसपी अभिनव पराशर ने बताया, "साइबर अपराधियों के खिलाफ तकनीकी और भौतिक दोनों स्तरों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

जनता को भी जागरूक रहना होगा, क्योंकि अधिकांश ठगी ऑनलाइन फर्जीवाड़े और विदेश रोजगार के लालच में होती है।

संक्षिप्त समाचार

जनवरी में आएगी अधिसूचना, शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने कसी कमर

बीएनएम @ पटना। बिहार में सरकारी शिक्षक बनने का सपना देख रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए नए साल का आगाज खुशियों भरा होने वाला है। राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षक नियुक्ति परीक्षा TRE-4 को लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट कर दी है, जिससे लंबे समय से चल रहा ऊहापोह अब समाप्त हो गया है। मंत्री के ताजा बयान के अनुसार, शिक्षा विभाग 15 से 20 जनवरी के बीच बहाली का औपचारिक प्रस्ताव बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) को भेज देगा। इसके तुरंत बाद आयोग अधिसूचना जारी कर आवेदन की प्रक्रिया शुरू करेगा, जो उन युवाओं के लिए बड़ी राहत है जो पिछली तीन चरणों की बहाली के बाद इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे।राज्य सरकार का यह कदम स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी को दूर करने और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि TRE-4 की पूरी प्रक्रिया न केवल समयबद्ध होगी, बल्कि इसमें पारदर्शिता का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा। पिछली परीक्षाओं के अनुभवों और कानूनी जटिलताओं से सबक लेते हुए विभाग इस बार एक सुव्यवस्थित चयन प्रक्रिया की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो वर्ष 2026 की शुरुआत तक नियुक्ति की प्रक्रिया को तेज कर दिया जाएगा, जिससे हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा और स्कूलों में शैक्षणिक माहौल बेहतर होगा।शिक्षक बहाली के साथ-साथ शिक्षा मंत्री ने एक और संवेदनशील मुद्दे पर बड़ी राहत दी है। उन्होंने घोषणा की है कि राज्य में 5,000 से अधिक पदों पर अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। यह निर्णय उन परिवारों के लिए संजीवनी साबित होगा जो वर्षों से अपने परिजनों की मृत्यु के बाद मिलने वाली इस राहत की राह देख रहे थे। इन दोनों घोषणाओं ने राज्यभर के शिक्षक अभ्यर्थियों में नया उत्साह भर दिया है। अब अभ्यर्थी नए सिरे से परीक्षा पैटर्न और सिलेबस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि आने वाले समय में वे अपनी एक सीट पक्की कर सकें।

रामरेखा पुल पर पुनः अतिक्रमण, प्रशासन की चुप्पी से जनता त्रस्त

बीएनएम @ बगहा: रामनगर नगर परिषद क्षेत्र स्थित रामरेखा पुल पर अतिक्रमण की समस्या एक बार फिर विकराल रूप ले चुकी है। कुछ समय पूर्व प्रभारी एसडीएम निर्मला कुमारी और नगर प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद इस क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया था, लेकिन प्रशासनिक शिथिलता के कारण स्थिति जस की तस हो गई है। वर्तमान में पुल पर फल-सब्जी के ठेले और अस्थायी दुकानों के सजने से आवागमन बाधित हो रहा है। खरीदारी के लिए लोग पुल पर ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे घंटों जाम लगा रहता है। इसका सबसे बुरा असर स्कूली बच्चों और राहगीरों पर पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि प्रशासन द्वारा सुबह 8 से शाम 8 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक के बावजूद, मुख्य मार्ग पर इनका परिचालन बेधड़क जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की उदासीनता या मिलीभगत के कारण अतिक्रमणकारी दोबारा सक्रिय हुए हैं। नगरवासियों ने अब प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान और नियमित निगरानी की मांग की है।

अंचल परिसर में जनता दरबार आयोजित

बीएनएम @ लौरिया। लौरिया प्रखंड के अंचल परिसर में सोमवार को आयोजित जनता दरबार में आम लोगों की समस्याओं को लेकर प्रशासन सक्रिय नजर आया। शनिवार को अवकाश रहने के कारण जनता दरबार नहीं लग पाने से लंबित मामलों को सोमवार को प्राथमिकता के साथ सुना गया।अंचलाधिकारी नीतेश कुमार सेठ की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में कुल तीन मामलों पर सुनवाई हुई। इनमें से एक मामले का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक कागजात उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा एक नया आवेदन भी प्राप्त किया गया, जिसे नियमानुसार दर्ज किया गया।जनता दरबार में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए अंचलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि सभी वैध मामलों का निष्पक्ष और समयबद्ध निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो।जनता दरबार के दौरान अंचल परिसर में लोगों की भीड़ बनी रही। फरियादी अपनी-अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे थे।कार्यक्रम में प्रधान लिपिक ब्रजेश कुमार, लिपिक अरविंद कुमार राव, विवेक पांडेय समेत अंचल कार्यालय के अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

बैरिया में तीन घर जलकर खाक, 20 बकरियों की मौत

बीएनएम @ बैरिया: बैरिया अंचल क्षेत्र के उतरी पटजीरवा पंचायत के वार्ड संख्या 6 में रविवार की देर रात अचानक लगी भीषण आग से भारी तबाही मच गई। इस अगलगी की घटना में मंगल पासवान, बहादुर पासवान और केदार पासवान के तीन घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग की चपेट में आने से करीब 20 बकरियों की झुलसकर मौत हो गई, जबकि एक गाय गंभीर रूप से झुलस गईबताया जाता है कि आग की शुरुआत मंगल पासवान के घर से हुई, जो तेज हवा के कारण देखते ही देखते आसपास के घरों तक फैल गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे ग्रामीण कुछ भी सामान नहीं बचा सके। अगलगी में कपड़े, बर्तन, अनाज, गहने, नकदी समेत घर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन संसाधनों के अभाव में सफलता नहीं मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि आग बुझने के बाद अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचा, जिससे लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आपदा प्रबंधन विभाग से प्रत्येक थाना स्तर पर अग्निशमन वाहन की मांग की है

अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन सख्त, ट्रैक्टर,ट्राली जब्त

बीएनएम @ बगहा : बगहा शहर और उसके आसपास के इलाकों में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में पटखौली थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। यह कार्रवाई अवैध खनन की मिली शिकायत के आधार पर की गई।पटखौली थाना अध्यक्ष हृदयनंद सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नगर क्षेत्र के नारायणपुर घाट पर गंडक नदी से अवैध रूप से बालू का खनन किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम के निर्देश के आलोक में तत्काल छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया, जो अवैध खनन में प्रयुक्त हो रही थी।पुलिस के अनुसार जब्त किया गया ट्रैक्टर-ट्रॉली नगर क्षेत्र के मलकौली निवासी छोटेलाल गुप्ता का है। ट्रैक्टर को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। आगे की कार्रवाई के लिए खनन विभाग बेतिया को प्रतिवेदन भेजा जा रहा है, ताकि नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके।थाना अध्यक्ष हृदयनंद सिंह ने स्पष्ट कहा कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार निगरानी और छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गंडक नदी सहित अन्य संभावित स्थानों पर भी पुलिस की नजर बनी हुई है।उन्होंने यह भी कहा कि जहां कहीं से भी अवैध खनन की शिकायत प्राप्त होगी, वहां संबंधित लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन के खिलाफ पुलिस लगातार सक्रिय है।

अटल स्मृति सम्मेलन में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर, अटल जी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बीएनएम @ अरेराज

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर सोमवार को गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्र के लौरिया स्थित पांडेय वाटिका सभागार में 'अटल स्मृति सम्मेलन' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल एक राजनीतिक आयोजन था, बल्कि राष्ट्रभक्ति, विचार और सिद्धांतों की राजनीति के उस महान पुरोधा को स्मरण करने का भावुक अवसर भी बना, जिन्होंने भारतीय राजनीति को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज ने की, जबकि पूरे आयोजन का संयोजन गोविन्दगंज के पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिससे सभागार राष्ट्रवादी भावना से ओतप्रोत हो गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पवन राज ने अटल जी के व्यक्तित्व को हिमालय जैसा विराट बताते हुए कहा कि वे शब्दों के जादूगर और संवेदनशील हृदय के धनी थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति आज भी हर भारतीय

के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्य अतिथि हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान ने अटल जी के शासनकाल को सैनिकों और शहीदों के सम्मान का स्वर्ण युग बताते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान उनके दृढ़ संकल्प ने पूरी दुनिया को भारत की सैन्य शक्ति का एहसास कराया। पीपरा विधायक श्यामबाबू प्रसाद ने अटल जी को मूल्यों की राजनीति का संवाहक बताया, जबकि कल्याणपुर विधायक सचिन्द्र सिंह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अटल जी के अंत्योदय और विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उसे घर-घर तक पहुँचा रहे हैं। आयोजक एवं पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी ने मंचासीन सभी अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला से स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने अटल जी के जनसंघ काल से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के प्रेरक राजनीतिक सफर का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि महान कवि, लेखक और दूरदर्शी चिंतक भी थे, जिन्होंने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाकर विश्व पटल पर गौरव दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसद राधामोहन सिंह के नेतृत्व में आज जिला विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। संजय पांडेय के कुशल संचालन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में उप मेयर लालबाबू प्रसाद गुप्ता, अनील रॉय, सियावर सिंह, ईश्वरचंद, जयप्रकाश मिश्र, राकेश पांडेय, राधेश्याम साह, सूरज पांडेय, संतोष सिंह, हेमंत मणि तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अटल बिहारी वाजपेयी के अमर शब्दों "हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा" के संकल्प को दोहराते हुए किया।

हत्या व आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, महिला शराब कारोबारी के पास से अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए एक ओर हत्या एवं आर्म्स एक्ट के पुराने आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं दूसरी ओर गुप्त सूचना के आधार पर नए साल के जश्न को देखते हुए शराब कारोबार में संलिप्त एक महिला को भी धर दबोचा है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि चिरैया थाना क्षेत्र के ग्राम रतवारी निवासी शिवम भगत उर्फ बंटी भगत (पिता परमहंस भगत) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पूर्व में हत्या और आर्म्स एक्ट के मामलों में नामजद रहा है और लंबे समय से पुलिस को उसकी तलाश थी। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नए साल की तैयारी को लेकर हरसिद्धि बाजार क्षेत्र में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने हरसिद्धि बाजार स्थित एक दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान से कुल 4.860 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से महिला कारोबारी सीमा देवी (उम्र 30 वर्ष), पति मुकेश भगत, निवासी माठलोहियार अहिर टोली, से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी महिला के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि छापेमारी दल में सब-इंस्पेक्टर सहित थाना के अन्य पुलिस बल शामिल थे। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और नए साल के मद्देनजर पुलिस लगातार सघन जांच एवं छापेमारी अभियान चला रही है।

मलाही उच्च विद्यालय में संसाधनों की लूट का आरोप, ग्रामीणों ने थाने में की शिकायत

बीएनएम @ अरेराज

मलाही थाना क्षेत्र से एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां राजकीय कृत उच्च विद्यालय मलाही में बड़े पैमाने पर सरकारी संसाधनों की चोरी और धांधली का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में स्थानीय निवासी राजेश कुमार तिवारी ने मलाही थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि वर्ष 1960 से संचालित इस विद्यालय में वर्ष 2020 तक कभी भी चोरी अथवा अनियमितता की कोई घटना सामने नहीं आई थी। लेकिन आरोप है कि वर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यापक के कार्यभार संभालने के बाद से विद्यालय परिसर से लगातार कीमती सामान गायब हो रहे हैं। शिकायत के अनुसार कंप्यूटर, जनरेटर, टीवी, खेलकूद सामग्री, सोलर प्लेट, बैटरी और यहां तक कि गमले तक विद्यालय से हटा दिए गए हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि विद्यालय के रखरखाव एवं नए संसाधनों की खरीद के नाम पर हर वर्ष विभिन्न मदों से लाखों रुपये की निकासी की जाती है, बावजूद इसके विद्यालय में आवश्यक सामान उपलब्ध नहीं हैं। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में लगे कीमती शीशम और आम के पेड़ों को भी कथित तौर पर अवैध रूप से काट दिया गया, जिसकी जानकारी न तो अभिभावकों को दी गई और न ही संबंधित विभाग या प्रशासन को। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जब स्थानीय लोगों ने इस संबंध में प्रभारी प्रधानाध्यापक से पूछताछ की, तो उन्होंने कथित रूप से यह स्वीकार किया कि गायब सामानों की जानकारी उन्हें है। वहीं, 24 दिसंबर की शाम को विद्यालय परिसर से एक जनरेटर निकाले जाने का भी आरोप है, जिसकी पुष्टि विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच से हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मलाही पुलिस ने कांड संख्या 421/25 दर्ज कर लिया है। पुलिस ने एएसआई अरविंद कुमार यादव को पूरे प्रकरण की गहन जांच का जिम्मा सौंपते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ग्रामीणों ने इस मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीएम आवास योजना की समीक्षात्मक बैठक, पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों तक पहुंचे सहायता : बीडीओ

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार ने की। इसमें कृषि सलाहकार, आवास सहायक सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ ने कहा कि योजना का लाभ समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए पंचायत स्तर और प्रखंड स्तर पर चार-चार सदस्यीय टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में आवास सहायक, कृषि सलाहकार, पंचायत सचिव, बीपीआरओ, प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी जैसे विभागीय अधिकारी शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय से सर्वे व रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसमें पूर्व से लाभान्वित लाभार्थियों को अलग चिन्हित किया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति

योजना से वंचित न रह जाए। योजना की नियमित समीक्षा भी की जाएगी, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में बीपीआरओ आदित्य अंशु, प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी मासूम रजा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघवेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को समय पर सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

एक ओर 'नंदी महाराज' को विधि-विधान से विदाई दूसरी ओर पालतू बिल्ली की तलाश में जुटी पुलिस

बीएनएम @ रामगढ़वा

पूर्वी चंपारण ज़िले में रविवार का दिन पशु प्रेम और मानवीय संवेदना के अद्भुत उदाहरण के रूप में याद किया जा सकता है। जहां एक ओर रामगढ़वा बाजार में एक प्रसिद्ध बेजुबान सांड "नंदी महाराज" को हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम विदाई दी गई, वहीं मोतिहारी नगर थाना में एक व्यक्ति अपनी लापता बिल्ली की शिकायत लेकर पहुँचा, जिस पर पुलिस ने भी गंभीरता से कार्रवाई शुरू कर दी। पहली घटना रामगढ़वा के गोला रोड की है, जहाँ बीते रविवार दोपहर नंदी महाराज घायल होकर गिर गए थे। स्थानीय लोगों ने भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की, पर उनका मोबाइल बंद मिला। बाद में एक निजी डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन रात साढ़े आठ बजे "नंदी महाराज" ने दम तोड़ दिया।उनके

निधन के बाद गाँव भर में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, समाजसेवी कुणाल गुप्ता, कृष्णा कुमार उर्फ गब्बर, अंकित कुमार, राजेश गुप्ता, और सैकड़ों ग्रामीणों ने मिलकर नंदी महाराज का हिंदू परंपरा के अनुसार दाह संस्कार किया। जेसीबी और ट्रैक्टर से शव को घाट तक ले जाया गया। स्थानीय थानाध्यक्ष राजीव साह के निर्देश पर चौकीदार सोनू यादव सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे। उधर, दूसरी ओर मोतिहारी नगर थाना में एक ऐसी शिकायत दर्ज हुई जिसने प्रशासन और जनता दोनों को चौंका दिया। राजेश कुमार, निवासी मिस्कॉट क्षेत्र, ने अपनी पालतू बिल्ली के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। राजेश ने बताया कि उनकी बिल्ली परिवार का सदस्य जैसी है और उसे लौटाने की गुहार लगाई।आश्चर्यजनक रूप से पुलिस ने भी इस मामले को संवेदनशीलता से लिया। नगर थाना प्रभारी ने बिल्ली की फोटो सभी गश्ती दलों को सौंपकर तलाश का निर्देश दिया है। दोनों घटनाओं ने यह साबित किया कि संवेदना अभी भी ज़िंदा है। जहाँ रामगढ़वा में पशु को सम्मानजनक विदाई दी गई, वहीं मोतिहारी में इंसानों के साथ पशु के अधिकारों के प्रति नई जागरूकता दिखी है।<यह उदाहरण दिखाता है कि ज़िले में इंसानियत और करुणा केवल शब्द नहीं, बल्कि अब भी समाज की जीवंत भावना है, जहाँ पशु भी परिवार हैं, और संवेदना ही सबसे बड़ी संस्कृति।

रामलाल सोनालाल कन्या विद्यालय के संस्थापक स्व. सोना लाल प्रसाद की पुण्यतिथि श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के धनखरिया स्थित रामलाल सोनालाल कन्या माध्यमिक विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय सोना लाल प्रसाद की पुण्यतिथि सोमवार, को विद्यालय परिसर में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शिक्षकगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष पवन राज द्वारा दीप प्रज्वलन एवं संस्थापक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वर्गीय सोना लाल प्रसाद ने शिक्षा के माध्यम से समाज को जागरूक और सशक्त बनाने का जो कार्य किया, वह आज भी अनुकरणीय है। उनका संपूर्ण जीवन शिक्षा और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा, जिससे नई पीढ़ी को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी। कार्यक्रम की अगुवाई संस्थापक के पुत्र भोला शंकर प्रसाद ने की। उन्होंने अतिथियों एवं आमजनों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार संस्थापक के आदर्शों पर चल कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष ई. राकेश गुप्ता, प्रधानाध्यापक आलोक कुमार, पूर्व प्रधानाध्यापक उमाकांत पांडे, शंभू नाथ प्रसाद, नरेश अग्रवाल, कृष्णा कुशवाहा, नागेंद्र राम, मत्स्य विभाग के मंत्री रामायण सहनी, सुनील कुमार, पारस सहनी सहित सभी उपस्थित जनों ने संस्थापक को पुष्प अर्पित की। पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर का वातावरण भावुक और श्रद्धामय बना रहा।

अंचलाधिकारी ने किया कंबल का वितरण

बीएनएम @ बगहा

कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मधुबनी अंचल प्रशासन की ओर से मानवीय पहल करते हुए गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस राहत अभियान के तहत अंचल के सभी 10 पंचायतों में जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराए गए, जिससे ठंड से राहत मिल सके। सीओ नंदलाल राम ने बताया कि शीतलहर के मौसम में सबसे अधिक परेशानी गरीब, वृद्ध, दिव्यांग एवं बेसहारा लोगों को होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पंचायत स्तर पर जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। सीओ ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी जरूरतमंद ठंड के कारण असहज स्थिति में न रहे। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान मधुबनी प्रखंड के सभी पंचायत के मुखिया , कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे । वही लाभार्थियों ने कंबल पाकर प्रशासन के प्रति आभार जताया और इस पहल को सराहनीय बताया।

नतीजों को चुनौती देने का आज आखिरी दिन, 4 सीटों पर हाईकोर्ट में याचिका

बिहार चुनाव 2025

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच आज, सोमवार 29 दिसंबर को, एक महत्वपूर्ण संवैधानिक समय-सीमा समाप्त हो रही है। चुनाव नतीजे घोषित हुए आज पूरे 45 दिन बीत चुके हैं, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनावी परिणामों को हाईकोर्ट में चुनौती देने की अंतिम कानूनी अवधि है। आज के बाद किसी भी सीट पर धांधली या गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कोई भी याचिका स्वीकार नहीं की जाएगी, जिससे यह तारीख राजनीतिक और कानूनी रूप से अत्यंत निर्णायक बन गई है। हैरानी की बात यह है कि बिहार की 243 सीटों पर हुए इस व्यापक

चुनाव में विपक्ष ने 'वोट चोरी' और 'ईवीएम' को लेकर तीखे बयान तो बहुत दिए, लेकिन कानूनी लड़ाई के मोर्चे पर बेहद कम सक्रियता दिखाई। अब तक प्रदेश की केवल चार विधानसभा सीटों—नरपतगंज, मधुबनी, मोहिउद्दीननगर और टेकारी—के नतीजों को ही पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इन सीटों से पराजित प्रत्याशियों, जिनमें राजद के मनीष यादव और डॉ. इज्या यादव, रालोजपा के गणेश कुमार और हम (HAM) के डॉ. अनिल कुमार शामिल हैं, ने मतगणना की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए याचिकाएं दायर की हैं।कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, 14 नवंबर को आए नतीजों के खिलाफ आज तक याचिका दायर न करने का मतलब है कि बाकी सीटों पर जीत-हार को अब सर्वसम्मति से स्वीकार मान लिया जाएगा। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया को लेकर एक समानांतर कानूनी मोर्चा कांग्रेस के कुछ नेताओं ने खोल रखा है। अमित टुन्ना और ऋषि मिश्रा सहित पांच कांग्रेस नेताओं ने सीधे निर्वाचन आयोग को कठघरे में खड़ा करते हुए चुनाव रद्द करने की मांग की है। उनका आरोप है कि चुनाव के दौरान व्यापक स्तर पर धनबल का प्रयोग हुआ और आयोग ने तेलंगाना जैसी मुस्तैदी बिहार में नहीं दिखाई।कुल मिलाकर, आज आधी रात के बाद बिहार चुनाव 2025 के परिणाम कानूनी रूप से 'अंतिम' हो जाएंगे। इसके बाद हार-जीत को लेकर किए जाने वाले सभी आरोप केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा बनकर रह जाएंगे, क्योंकि न्यायिक हस्तक्षेप का दरवाजा हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। अब सबकी निगाहें पटना हाईकोर्ट के उन फैसलों पर टिकी हैं, जो इन सीमित लेकिन महत्वपूर्ण याचिकाओं पर आने वाले हैं।

राम भरोसे जीने विवश हो जाएंगे

मनरेगा के जी राम जी में बदलने से निवेशकों और धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दर पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें बाधा आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से ही एक बड़ी शिकायत थी। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम) को वीबी- जी राम जी (विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन- ग्रामीण) में बदलने के नरेंद्र मोदी सरकार के इरादे में नागरिकों के प्रति उसके नजरिये की झलक देखी जा सकती है। मनरेगा उस दौर में बना, जब तत्कालीन यूपीए-1 सरकार ने विकास की अधिकार आधारित अवधारणा को अपनाया था। समझ यह थी कि गरिमामय जिंदगी की न्यूनतम शर्तों को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जाए और उन स्थितियों को हासिल करने की योजनाएं लागू की जाएं। इस रूप में उस दौर में बने कई कानून सामान्य कल्याण योजनाओं से अलग थे। इसीलिए मनरेगा को मांग केंद्रित बनाया गया- यानी प्रावधान किया गया कि ग्रामीण इलाकों में अकुशलकर्मी जब कभी मांग करेंगे, कम-से-कम 100 दिन उन्हें काम मुहैया करना सरकार के लिए अनिवार्य होगा। इस काम में पारिश्रमिक भुगतान का पूरा खर्च केंद्र उठाएगा, जबकि सामग्रियां आदि जुटाने का खर्च राज्य सरकार के खजाने से आएगा। अब ये सारे प्रावधान अब बदल जाएंगे। अब कुछ छोटे राज्यों को छोड़ कर बाकी हर राज्य की सरकार को पारिश्रमिक का 40 फीसदी हिस्सा भी अपने कोष से देना होगा। इसके अलावा योजना मांग केंद्रित नहीं रह जाएगी। जी राम जी बजट का उपयोग सरकार की प्राथमिकता से होगा। बोलचाल की आर्थिक भाषा में कहें, तो डिमांड साइड के बजाय सप्लाई साइड की योजना बन जाएगी। फिर यह सालों भर चलने वाली योजना नहीं रहेगी। कृषि सीजन में इसे रोक दिया जाएगा। तो कुल मिलाकर बदलाव सिर्फ नाम में नहीं, बल्कि अधिनियम के मूल ढांचे में है। नतीजा यह होगा कि आपातकाल में न्यूनतम रोजगार की आश्वस्ति प्रदान करने और मजदूरों का पलायन रोकने में मनरेगा का, भले ही न्यूनतम मगर जो महत्त्वपूर्ण योगदान बना, वह स्थिति अब नहीं रहेगी। इससे निवेशकों और कृषि सीजन में धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दरों पर मजदूर मिल सकेंगे।

पाश्चत्य कल्चर छोड़ थाली में लौटती परंपरा, मोटे अनाज से आधुनिक रोगों तक का समाधान

कांतिलाल मांडोत

आधुनिकता की तेज़ रफ्तार भागदौड़ भरी जिंदगी और पाश्चात्य खान-पान की नकल ने बीते कुछ दशकों में भारतीय समाज की भोजन परंपरा को गहराई से प्रभावित किया है। फास्ट फूड, रिफाइंड आटा, अत्यधिक चीनी और वसा से भरपूर भोजन ने स्वाद तो बदला, लेकिन इसके साथ-साथ शरीर को कई ऐसी बीमारियों की सौगात भी दे दी, जिनका नाम पहले गांव-कस्बों में शायद ही सुनाई देता था। डायबिटीज, मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन संबंधी समस्याएं आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसी पृष्ठभूमि में अब एक सुखद बदलाव दिखाई दे रहा है।लोग अपनी थाली में फिर से मोटे अनाज को जगह देने लगे हैं। यह बदलाव केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहत, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की ओर लौटने का संकेत है। कुछ दशक पहले तक मोटे अनाज भारतीय रसोई का स्वाभाविक हिस्सा थे। बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, मक्का और कोदो जैसे अनाज केवल भोजन नहीं थे, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा थे। ग्रामीण समाज में मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग इन्हीं अनाजों से ऊर्जा प्राप्त करते थे और दिनभर काम करने के बावजूद थकान कम महसूस होती थी। उस समय डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द आम बातचीत में नहीं आते थे। पुराने लोग भले ही पोषण के वैज्ञानिक शब्दों से परिचित न हों, लेकिन अनुभव से जानते थे कि कौन-सा अनाज शरीर को ताकत देता है और कौन-सा भोजन मौसम के अनुकूल है। उनकी पसंद में स्वाद से अधिक महत्व तृप्ति और स्वास्थ्य का होता था। समय बदला तो पसंद भी बदली। शहरीकरण, मशीनों पर निर्भरता और विज्ञापन आधारित संस्कृति ने भोजन को सुविधा और स्वाद तक सीमित कर दिया। सफेद आटा, पॉलिश किया हुआ चावल और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ प्रतिष्ठा और आधुनिकता का प्रतीक बन गए। मोटे अनाज, जिन्हें कभी गरीबों का भोजन कहा गया, धीरे-धीरे रसोई से बाहर होते चले गए। नई पीढ़ी की पसंद में पिज्जा, बर्गर और नूडल्स शामिल हो गए, जबकि बाजरे की रोटी या ज्वार की भाखरी पिछड़ेपन की निशानी मानी जाने लगी। यही वह दौर था जब शरीर में असंतुलन बढ़ा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलने लगीं। आज स्थिति एक बार फिर करवट ले रही है। जब दवाइयों पर बढ़ता खर्च और लगातार बिगड़ती सेहत चिंता का कारण बनी, तब लोगों ने अपने भोजन पर पुनर्विचार करना शुरू किया। विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सलाह, शोध रिपोर्ट्स और पारंपरिक ज्ञान के पुनर्मूल्यांकन ने मोटे अनाज को फिर से थाली के केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद मोटे अनाज को वैश्विक मंच मिला और "इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स" जैसी पहल ने इसे नई पहचान दी। इसका प्रभाव यह हुआ कि जो अनाज कभी गांवों तक सीमित थे, वे अब शहरी हाई-मार्ट और सुपरमार्केट की शेल्फ पर भी सम्मान के साथ नजर आने लगे हैं। स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो मोटे अनाज किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने के कारण रक्त में शर्करा धीरे-धीरे बढ़ती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को विशेष लाभ मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति नियमित रूप से मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करता है, तो उसे दवाइयों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के मेडिसिन विभाग से जुड़े डॉ. पवन कुमावत का मानना है कि मोटे अनाज का धीमा पाचन शरीर में ऊर्जा को संतुलित रूप से रिलीज करता है, जिससे अचानक भूख लगने की समस्या कम होती है और वजन नियंत्रण में रहता है। पुराने लोगों की पसंद और आज की पीढ़ी की पसंद में यही मूल अंतर दिखाई देता है। पहले भोजन का उद्देश्य शरीर को पोषण देना और काम करने की शक्ति प्रदान करना था, जबकि आज भोजन अक्सर स्वाद, त्वरित उपलब्धता और दिखावे से जुड़ गया है। हालांकि अब नई पीढ़ी में भी एक वर्ग ऐसा है, जो अपने पूर्वजों की समझ को फिर से अपनाने लगा है। वे यह समझने लगे हैं कि असली आधुनिकता वही है, जो शरीर और प्रकृति दोनों के साथ संतुलन बनाए। योग, ऑर्गेनिक खेती और देसी खान-पान की ओर बढ़ता रुझान इसी सोच का परिणाम है। मोटे अनाज केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह किसानों और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी हैं। ये फसलें कम पानी में उग जाती हैं और कठिन जलवायु परिस्थितियों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। राजस्थान जैसे शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए यह अनाज सदियों से जीवनरेखा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन के तहत किसानों को मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा भी मजबूत होगी। बाजार में आए बदलाव ने भी मोटे अनाज को अपनाना आसान बना दिया है। पहले इन्हें साफ करने और पीसने में काफी मेहनत लगती थी, जिससे शहरी और कामकाजी लोग इससे दूरी बनाए रखते थे। अब चक्कियों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में तैयार आटा आसानी से उपलब्ध है। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार मात्रा तय कर सकते हैं और बिना अतिरिक्त झंझट के इसे दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं। यही सुविधा आज की जीवनशैली के साथ परंपरा का सेतु बन रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि मोटे अनाज हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट तत्व रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए यह पोषण का सशक्त स्रोत हैं, क्योंकि इनमें कैल्शियम और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। रागी जैसे अनाज हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आज के समय में एक बड़ी जरूरत बन चुकी है। आज की पीढ़ी की पसंद में जो बदलाव दिख रहा है, वह केवल मजबूरी नहीं बल्कि समझ का परिणाम है। लोग यह महसूस करने लगे हैं कि महंगे सुपरफूड्स की तलाश में विदेशों की ओर देखने से बेहतर है कि अपनी मिट्टी में उगे अनाज को अपनाया जाए। यह आत्मनिर्भर भारत की सोच के भी अनुरूप है। जब हम अपने पारंपरिक भोजन को अपनाते हैं, तो न केवल अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, बल्कि स्थानीय किसानों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी मजबूती देते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि मोटे अनाज की वापसी अतीत की ओर लौटना नहीं, बल्कि भविष्य की ओर एक समझदारी भरा कदम है। पुराने लोगों की पसंद अनुभव से उपजी थी और आज की पीढ़ी की पसंद ज्ञान और शोध से आकार ले रही है। जब दोनों का संगम होता है, तो एक ऐसी जीवनशैली सामने आती है जो स्वाद, सेहत और संतुलन तीनों को साथ लेकर चलती है। थाली में मोटे अनाज की मौजूदगी केवल भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज की पहचान बन सकती है।

दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण- शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया गया और उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है, जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है, क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं, जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जो आगे बढ़ता ही जाएगा यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20-से 40 प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुडी भीषण घटनाओं के कारण जन-धन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि 2040 तक तापमान वृद्धि दो डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी, और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं, जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे, खासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी, जिसके लिए कार्बनमुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर ऊर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काईनैटीक ऊर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा। अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज एंड थ्रो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मुरम्मत किये जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियां तलाशनी होंगी।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को हल्काफुल्का और खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी जो लोग आपके विरोधी हैं आज ऑफिस के काम में आपकी राय मागेंगे। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आयेगा।

वृष राशि– आज का दिन आपके लिये खास होने वाला है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक संबंधों में गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आज किसी समारोह के होने कारण से आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है जिसे आप बखूबी पूरा भी करेंगे।

मिथुन राशि– आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में दौड-धूप करेंगे। इस राशि के छात्र जो तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सफलता जल्द मिलेगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे।

कर्क राशि– आज का दिन आपके लिए दिन शुभ रहने वाला है। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी, हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। रुकी हुई पेमेंट मिलने से आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। लवमेट एक-दूसरे के लिए उचित सामंजस्य और सहयोग की भावना रखें।

सिंह राशि– आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज स्टूडेंट अपनी योग्यता से महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम को जल्दी पूरा करने की सोच रखें। बच्चे की गलती से निराशा हो सकती है। आवेश में आने की बजाय सहजता से मामला सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या राशि– आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। घर के कामों में आपका पैसा लग सकता है। भी फैसला शांति से लें। आज बातचीत करने में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है। आज आपके किसी उच्च्च अधिकारी से मुलाकात के योग बन रहे हैं। आपका नया काम शुरू हो सकता है। अगर किसी वजह से स्ट्रेस बना हुआ है तो आपको मानसिक सुकून मिलेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुशरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है। आज लोगों से मिलने और बात करने में खुशी महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग, आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवन साथी को आप नया कार्य शुरू करा सकते हैं7 काम के दबाव से निकलकर आज जीवनसाथी के साथ समय बिताएंगे। परिवार में एक दूसरे को समझकर आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि– आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परिवार को अधिक समय न दे पाने से परिवार की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। आज अपने व्यक्तिगत काम की ओर आप उचित ध्यान दे पाएंगे। आपका काम-धंधा भी अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे। आज आपके मदद की जरूरत के समय ऐसा व्यक्ति आपकी मदद करेगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।

मकर राशि– आज आपका दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को जल्द सफलता मिलेगी। आज रास्ते पर किसी वृद्ध की मदद करने का मौका मिलेगा। आज आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी। आज बच्चे आपसे किसी निर्णय में आपकी राय मागेंगे। व्यापार के क्षेत्र में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आप कहीं निवेश भी करेंगे। आप अपना पसंदीदा वाहन खरीदने का प्लान बनाएंगे। स्वास्थ्य के नजरिये से आज का दिन सामान्य रहेगा।

कुंभ राशि– आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते है। आज आपका मन हल्का रहेगा। आज लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा जो आपके लिए मददगार साबित होगा। होटल के कारोबारियों का धंधा बढ़िया चलेगा। साथ ही आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आज परिवार के लोगों के साथ तालमेल बनेगा।

मीन राशि–आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा।

हिंदी के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रहे साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन!

डॉ सविता वर्मा गज़ल

देवभूमि उत्तराखंड के साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन सन 2025 में भी हिंदी के लिए सक्रिय रहे,साथ ही उनकी आध्यात्मिक सक्रियता भी बनी रही। उनकी हरदिन लिखी जा रही कविता ने जहां मन मोहे रखा वही नेपाल-भारत द्वारा संयुक्त साहित्य संगठन के माध्यम से विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता में श्रीगोपाल नारसन को सम्मान मिलना बड़ी उपलब्धि है।उनके द्वारा वर्तमान में उपभोक्ता कानून पर एक पुस्तक लाई जा रही है। विविधताओं का शहर रुड़की उनकी पुस्तक सन 2023 में प्रकाशित हो चुकी है।अपने अभी तक के साहित्यिक जीवन मे 22 पुस्तकें लिख चुके श्रीगोपाल नारसन को हिंदी की अंतरराष्ट्रीय पुरातन संस्था विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर बिहार ने हिंदी साहित्य में विशेष सेवा,सारस्वत साधना व कलात्मक सोच के लिए रामधारी सिंह दिनकर सम्मान से विभूषित किया था। उन्हें न्यायमूर्ती राजेश टण्डन व न्यायमूर्ति यू सी ध्यानी ने मानवाधिकार संरक्षण रत्न सम्मान 2023 से भी विभूषित किया है।उत्तराखंड के साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन की प्रकाशित पुस्तकों मे नया विकास,मीडिया को फांसी दो,खामोश हुआ जंगल, प्रवास,तिनका तिनका संघर्ष, पदचिन्ह, चैक पोस्ट ,श्रीमद्भागवत गीता शिव परमात्मा उवाच,दादी जानकी, आबू तीर्थ महान ,विविधताओं का शहर रुड़की, ईश्वरीय गुलदस्ता आदि शामिल है। उनके साहित्यिक योगदान पर भी 3 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है,जिनमे श्रीगोपाल नारसन और उनका साहित्य व श्रीगोपाल नारसन का आध्यात्मिक चिंतन ,श्रीगोपाल की आध्यात्म काव्यधाराशामिल है।श्रीगोपाल नारसन के शब्दकोश में खाली समय शब्द नहीं है,क्योंकि वे कभी खाली रहते ही नही ।बड़े सवेरे 4 बजे उठकर रात्रि 11 बजे तक की उनकी दैनिक दिनचर्या में कभी कोई खाली समय नही होता। पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के लिए वकालत के क्षेत्र में सक्रिय श्रीगोपाल नारसन ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से आध्यात्मिक सेवा कार्य भी करते है। इसके बाद जो भी समय उन्हें मिलता है , उस समय का सदुपयोग श्रीगोपाल नारसन साहित्य सृजन कर अपने जीवन को सार्थक बना रहे हैं।जीवन से जुड़े अनेक विषयों पर काव्य की रचना करना भी उनकी दिनचर्या में शामिल है। उन्हें डॉ आंबेडकर फैलोशिप सम्मान, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ का सर्वोच्च भारत गौरव सम्मान ,भारत नेपाल साहित्यिक

मैत्री सम्मान ,मानसश्री सम्मान व हाल ही में मिला सृजन समन्वय सम्मान 2025 आदि शामिल है। आज के समय मे जहां लोग एक-दूसरे से केवल स्वार्थसिद्धि हेतु ही बात करते हैं , वहीं वह हर सुबह अनेक माध्यमों से चाहे वह फेसबुक हो, मैसेंजर हो या फिर व्हाट्सएप ,इंस्टाग्राम व ट्यूटर आदि पर ही निस्वार्थ परमात्मा से जुड़े प्रेरणादायक व परोपकार की भावना से ओतप्रोत आध्यात्मिक सन्देश मौलिकता के साथ भेजते है श्रीगोपाल नारसन, जो देवभूमि उत्तराखंड के अभियंता नगरी रुड़की के निवासी है और साथ साथ ही मुख्यमंत्री के प्रवक्ता भी रहे है।उनकी गिनती वरिष्ठ साहित्यकार के रूप में होती हैं।देश की आजादी के अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे श्रीगोपाल नारसन ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रकोष्ठ द्वारा तीन दशक पूर्व संचालित किए गए चरित्र निर्माण शिविरों में सक्रिय भूमिका निभाई, साथ ही राजकीय महाविद्यालय देवबंद के छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अपनी राजनीतिक शुरुआत की। मां शारदे की अनुकम्पा से श्रीगोपाल नारसन एक सरल व्यक्तित्व के धनी तो हैं ही साथ ही इनमें सादगी,विन्रमता, धैर्य,ईमानदारी, कर्मठता, अपनत्व की भावना भी कूट-कूट कर भरी हैं।श्रीगोपाल नारसन को उत्तराखंड की शान व साहित्य से लेकर धार्मिक,राजनीतिक आदि समस्त ज्ञान का भंडार व बहुमुखी प्रतिभा के धनी कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। व्यवसाय से उपभोक्ता राज्य आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में विगत 35 वर्षों से उपभोक्ता जनजागरूकता के क्षेत्र में अपनी राष्ट्र व्यापी भूमिका वे निभा रहे है।श्रीगोपाल नारसन उपभोक्ता कानून की गहन जानकारी रखते हैं और आकाशवाणी , प्रिंट मीडिया के साथ ही जगह-जगह जाकर जागो ग्राहक जागो की अलख जगाना उनकी नियमित कार्य शैली का हिस्सा है ,ताकि लोग अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक होकर शोषण व उत्पीड़न से स्वयं को बचा सके।उनका दैनिक ट्रिब्यून में उपभोक्ता कानून पर नियमित कॉलम आता है। अनेक शिक्षण संस्थान उन्हें अपने यहां अतिथि प्रवक्ता के रूप में आमंत्रित करते हैं, जिससे कानून की जानकारी स्कूल कॉलेज के छात्र व छात्राओं को आसानी से मिल सके। वे निस्वार्थ भाव से कानून की सेवा करने के कारण ही विभिन्न शिक्षण संस्थाओं व विधिक सेवा प्राधिकारण के शिविरो में उपभोक्ता कानून विशेषज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। जीवन से जुड़े अनेक विषयों पर काव्य की रचना करना उनकी सबसे बड़ी खूबी है।एक बेबाक वक्ता के रूप में टीवी चैनलों पर बहस करते हुए वे बहुत ही संयमित, मर्यादित रूप से , सदव्यवहार के धनी श्रीगोपाल नारसन साफ गोई से अपनी बात को रखते हैं।कानफोड़ टीवी डिबेट को वे अच्छा नहीं मानते।दूसरे का सम्मान करते हुए अपनी बात मजबूती से रखना उन्हें अच्छी तरह आता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी एक वरिष्ठ पत्रकार के रूप में उनकी गिनती होती है।देश विदेश की अनेक पत्र और पत्रिकाओं में उनके लेख आए दिन प्रकाशित होते रहे हैं। उन्हें अनेक सम्मानो से विभूषित किया जा चुका है।जिनमे डॉ आंबेडकर फैलोशिप सम्मान, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ का सर्वोच्च भारत गौरव सम्मान ,भारत नेपाल साहित्यिक मैत्री सम्मान आदि शामिल है।श्री गोपाल नारसन वर्तमान में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर,बिहार के प्रतिकुलपति भी हैं।जो उनके हिंदी प्रेम व अथक परिश्रम का परिचायक हैं। अंतर्राष्ट्रीय सिद्धार्थ साहित्य कला सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश द्वारा उनको अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्रदान किया गया हैं। खेलों के क्षेत्र में भी उन्हें बचपन से ही रुचि रही है तथा विद्यार्थी जीवन से ही वे एक अच्छे खिलाड़ी रहे। श्रीगोपाल नारसन ने पांच किमी पैदल चाल में राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया हुआ है।दौड़ व तैराकी में भी इनकी भागेदारी रही हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

साल 2025 में विश्व कप के बाद महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी

» करार के लिए विज्ञापनादाता कंपनियों की लगी कतार

एजेंसी, नई दिल्ली

इस साल महिला विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी जीतने के बाद ही भारतीय टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ने से उनपर पैसे की बरसात हुई है। टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू एकदम से बढ़ी है और उनके साथ करार के लिए कई कंपनियां आतुर हैं। स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू दोगुनी से भी अधिक हो गयी है। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन में शामिल करने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हैं। इसके अलावा खेल सामग्री बनाने वाली कंपनियां, जीवनशैली, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ी कंपनियां भी इन्हें अपना ब्रांड एंबेस्डर बनाना चाहती हैं। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली कंपनियां भी इससे उत्साहित हैं और उनका मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है। इससे तय है कि महिला क्रिकेटरों का भविष्य उज्जवल है। प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों की एक प्रमुख ने कहा, 'हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 फीसद की बढ़त की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी पर ध्यान देते हैं। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, 'जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। बड़ा बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है। महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका अब तक प्रचार पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्साहजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। स्मृति हुंडई, गल्फ ऑयल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं।

रोहित और विराट इस कारण विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर में नहीं उतरे

एजेंसी, मुम्बई

विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबल सोमवार से शुरु हुए हालांकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा नहीं उतरे। विराट और रोहित ने शुरुआती दोनो ही दौर में दिल्ली और मुंबई की ओर से खेला था। दिल्ली तीसरे दौर के मैच में सौराष्ट्र, वहीं मुंबई की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ उतरी। विराट ने दिल्ली के लिए अपने दो मैचों में काफी रन बनाये। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 131 जबकि गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये। दूसरी ओर रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाये पर उत्तराखंड के खिलाफ वह शून्य पर ही आउट हो गये। रोहित और विराट इस मैच में खेलने इसलिए नहीं उतरे क्योंकि शुरुआत में ही दोनो ने दो-दो मैच खेलने की बात कही थी। दोनो को ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इन दोनों दिग्गजों ने केवल दो मैचों खेलने पर सहमति दी थी जो पूरे हो गये, इसलिए ये तीसरे मैच में नहीं उतरे। ये अब विराट और रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस टूर्नामेंट में आगे खेलते है या नहीं। अगले साल की शुरुआत में 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलनी है, ऐसे में अगर ये दोनो ही विजय हजारे ट्रॉफी के और मैचों में खेलते हैं तो इन्हें अभ्यास का अच्छा अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए कोहली 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से आगे खेलने की संभावना नहीं है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है हालांकि ये दोनो टी20 सीरीज में खेलेंगे जिससे 2026 टी20 विश्व कप के लिए लय हासिल कर लें। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम सीधे ही विश्वकप में उतरेगी। ऐसे में बुमराह और पंड्या के सभी पांच मुकाबले खेलने की संभावना है।

मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा

» सबसे अधिक छक्के लगाने वाली खिलाड़ी भी बनी

एजेंसी, त्रिवेंद्रम

भारतीय महिला क्रिकेट की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां श्रीलंका के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान दो बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये है। इस मैच में मंधाना ने अपनी 80 रनों की पारी के दौरान ही 10,000 रन पूरे किये। वहीं मंधाना ये आंकड़ा सबसे तेजी से हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही अपने 27 रन बनाये वह 10000 रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गयीं। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने रन बनाने वाली वह चौथी खिलाड़ी है। इससे पहले भारत की मिताली राज, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की शार्लोट एडवर्ड्स ने ही इतने रन बनाये थे। इसी के साथ ही मिताली राज का सबसे तेज 10000 रनों का रिकार्ड भी टूट गया। मंधाना ने अपने दस हजार रन 281 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये जबकि मिताली ने ये रन 291 मैचों में बनाये थे। इसी के साथ वह महिला क्रिकेट में सबसे तेजी से 10,000 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं हैं। वहीं इस मैच में तीन छक्के लगाते ही उनके कुल 78 छक्के हो गये हैं और वह सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। इससे पहले भारत की ओ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 186 T20I मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। हरमनप्रीत ने 186 टी20 मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे । वहीं मंधाना ने केवल 157 टी20I मैचों में ही 80 छक्के लगा दिये। इससे वह भारतीय महिला टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : गोवा के खिलाफ मैच में खेलते नजर आयेंगे यशस्वी

एजेंसी, नई दिल्ली

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बल्लेबाजी करते दिखेंगे। यशस्वी शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम की ओर से 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के अनुसार यशस्वी पेट की तखलीफ के कारण शुरुआती दो मैचों से बार रहे थे। यशस्वी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैच के बाद पेट में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया था। प्राप्त जानकारी के वह 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा शुरुआती दो मुकाबलों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आए थे। वहीं अब यशस्वी उनकी जगह पारी की शुरुआत करेंगे। वह अन्य मैच भी खेल सकते हैं। इसके बाद भारतीय टीम को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है जिसमें उन्हें अवसर मिल सकता है। . यशस्वी ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी. इसके बाद उन्होंने 14 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ 101 रन बनाए थे।

आईपीएल 2026 में मार्कराम पर रहेंगी नजरें

सुपर जायंट्स ने भरोसा बनाये रखा

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। । मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं। उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज़्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

व्यापार

सप्ताह के पहले दिन ही गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों के 1.88 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बीएसई का सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ खुला था, जबकि एनएसई के निफ्टी ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी भी आई। इसके बाद कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस तथा एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 472.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.97 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.88 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,512 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,568 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,748 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 196 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,911 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 844 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,067 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान

में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 36.70 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,004.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 208.55 अंक की मजबूती के साथ 85,250 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 610 अंक से ज्यादा टूट कर 403.59 अंक की कमजोरी के साथ 84,637.86 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 345.91 अंक लुढ़क कर 84,695.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक की बढ़त के साथ 26,063.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने की थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 64.50 अंक की तेजी के साथ 26,106.80 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण निफ्टी की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 185 अंक से अधिक फिसल कर 122 अंक की कमजोरी के साथ 25,920.30 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 22 अंक की रिकवरी करके 100.20 अंक की गिरावट के साथ 25,942.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार जारी तेजी के रुख पर आज ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट आई है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,41,210 रुपये से लेकर 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,29,440 रुपये से लेकर 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,41,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक

राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,41,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,29,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,29,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,29,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,41,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जनवरी से ऑस्ट्रेलिया सभी भारतीय निर्यात पर टैरिफ खत्म कर देगा : गोयल

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत एक जनवरी से ऑस्ट्रेलियाई टैरिफ लाइनों पर 100 फीसदी ड्यूटी जीरो हो जाएगी, जिससे ऑस्ट्रेलिया को भारतीय निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इस कदम से भारत के श्रम-गहन क्षेत्र के लिए नए मौके खुलेंगे, क्योंकि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की तीसरी सालगिरह मनाई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, "पिछले तीन सालों में इस समझौते से लगातार निर्यात वृद्धि, बेहतर बाजार पहुंच और मजबूत सप्लाई-चेन रेजिलिएंस मिली है, जिससे भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों और मजदूरों सभी को फायदा हुआ है। वाणिज्य मंत्री ने आगे लिखा कि पिछले तीन सालों में इस समझौते ने लगातार निर्यात वृद्धि, बेहतर बाजार पहुंच और मजबूत सप्लाई-चेन लचीलापन दिया है, जिससे भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों और मजदूरों सभी को फायदा हुआ है। उन्होंने बताया कि अप्रैल-नवंबर 2025 में रत्न और आभूषण का निर्यात 16 फीसदी बढ़ा। ऑर्गेनिक

प्रोडक्ट्स पर आपसी मान्यता समझौता (एमआरए) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे निर्बाध व्यापार संभव हुआ और निर्यातकों के लिए अनुपालन लागत कम हुई। गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) की बातचीत आगे बढ़ रही है, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए मेक इन इंडिया और विकसित भारत 2047 के विजन के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक में भारत की आर्थिक भागीदारी को मजबूत कर रहा है। इसके साथ मिलकर भारत और ऑस्ट्रेलिया साझा समृद्धि और भरोसेमंद व्यापार का भविष्य बना रहे हैं।

देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर में दो साल के उच्च स्तर 6.7 फीसदी की दर से बढ़ा

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से नवंबर महीने में दो साल के उच्चतम स्तर 6.7 फीसदी पर पहुंच गई। 2024 में यह उत्पादन दर पांच फीसदी की दर से बढ़ी थी। इससे पहले औद्योगिक उत्पादन का उच्चतम स्तर नवंबर, 2023 में 11.9 फीसदी दर्ज किया गया था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर के लिए आईआईपी वृद्धि को बढ़ाकर 0.5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि पिछले महीने जारी अस्थायी अनुमान 0.4 फीसदी का था। आधिकारिक आंकड़ों के

मुताबिक नवंबर में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 8 फीसदी बढ़ा है, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.5 फीसदी की दर से बढ़ा था। एनएसओ के मुताबिक खनन क्षेत्र का उत्पादन भी नवंबर में 5.4 फीसदी बढ़ा है, जबकि नवंबर 2024 में यह वृद्धि दर 1.9 फीसदी रही थी। हालांकि, बिजली उत्पादन का प्रदर्शन पिछले महीने कमजोर रहा। नवंबर में बिजली के उत्पादन में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। मंत्रालय के मुताबिक औद्योगिक उत्पादन को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के नवंबर महीने के आंकड़ों में सुधार से संकेत मिलता है कि औद्योगिक गतिविधियों में खासकर विनिर्माण और खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रफ्तार की वापसी हो रही है। एनएसओ के मुताबिक यह ग्रोथ बेसिक मेटल्स और फैब्रिकेटेड मेटल प्रोडक्ट्स, फार्मास्यूटिकल्स और मोटर वाहनों के विनिर्माण के कारण हुई है।

रुपया पांच पैसे टूटकर 89.95 डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 89.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त शुरुआत के बीच सप्ताह के पहले अकारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे टूटकर 89.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले इसी स्तर पर खुली, जो इसके पिछले बंद भाव से गिरावट को दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 89.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इससे पिछले

कुछ महीनों से रुपये पर दबाव बना हुआ है और मुद्रा में स्थिरता नहीं आ पा रही है। वैश्विक स्तर पर छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 98.00 पर रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर रुपये की आगे की चाल निर्भर करेगी।

प्रभास की 'द राजा साब से सामने आया मालविका मोहनन का फर्स्ट लुक, किरदार के नाम से भी मेकर्स ने हटाया पर्दा

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साब काफी वक्त से चर्चाओं में बनी हुई है। हालांकि, 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म अब 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब दर्शकों का उत्साह और बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म से मालविका मोहनन का फर्स्ट पोस्टर जारी किया है। पहला पोस्टर जारी करते ही मेकर्स ने मालविका के किरदार से भी पर्दा हटाया है। इस पोस्टर में मालविका मोहनन को भैरवी के किरदार में दिखाया गया है। पोस्टर में मालविका काली साड़ी में नजर आ रही हैं। आंखों पर काला चश्मा लगाए और हाथों में ब्लैक कलर की पर्स पकड़े मालविका काफी स्टाइलिश और स्वैग में नजर आ रही हैं। इसको शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में भैरवी लिखकर फायर इमोजी बनाए हैं। साथ में लिखा है, 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। रिलीज से पहले अब

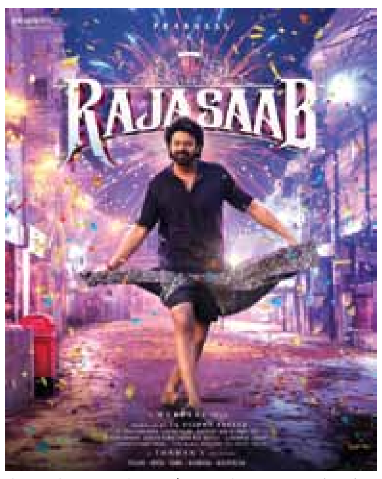

मेकर्स फिल्म के प्रमोशन में जुट गए हैं और फिल्म का बज बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म का उतना शोर अभी नहीं सुनाई दे रहा है, जितना आमतौर पर प्रभास की फिल्मों का होता है। इसलिए अब मेकर्स लगातार नए-नए अपडेट के साथ फिल्म को चर्चा में लाने के प्रयास में जुटे हैं। 'द राजा साब एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसे अब तक की सबसे बड़े स्तर पर बनने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म बताया जा

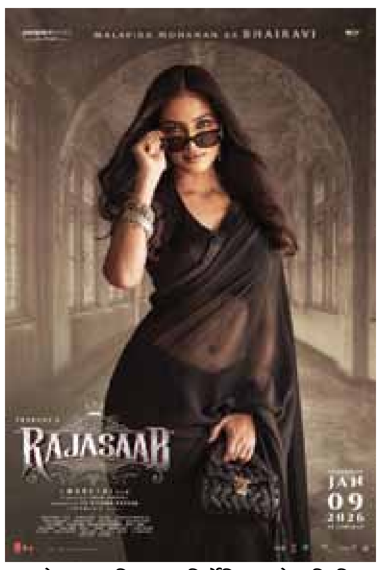

रहा है। मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित 'द राजा साब में प्रभास के साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 9 जनवरी 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ के पास पहुंची फिल्म धुरंधर , 22वें दिन की तू मेरी..मैं तेरा... से दोगुनी कमाई

णवीर सिंह बॉलीवुड के तीसरे ऐसे एक्टर बन गए हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ी फिल्म दी है. हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म देने की रेस में उन्होंने सलमान खान को पीछे छोड़ दिया है. आमिर खान और शाहरुख खान के बाद अब रणवीर सिंह के खाते में 1000 करोड़ी फिल्म है. रणवीर सिंह की धुरंधर ने महज 21 दिनों में इस माइलस्टोन को हासिल किया है. सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये कमाने की रेस में उन्होंने प्रभास की कल्कि 2898एडी को भी पीछे छोड़ दिया है. अब धुरंधर ने अपनी रिलीज के 22 दिन पूरे कर लिए हैं, आइए जानते हैं फिल्म ने 22वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं. धुरंधर वर्ल्डवाइड 21 दिनों में 1006.7 करोड़ रुपए और भारत में 668.80 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर चुकी है. धुरंधर ने 22वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार 16.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. धुरंधर भारत में 700 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है. फिल्म ने भारत में 685.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. धुरंधर ने पहले हफ्ते- 218 करोड़ रुपये, दूसरे वीके 261.5 करोड़ रुपये और तीसरे वीक 189.3 करोड़ रुपये कमाए हैं. आज 23वें दिन की कमाई से धुरंधर भारत में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी. वहीं, कार्तिक आर्यन और अनन्या

पांडे स्टारर फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी ने दूसरे दिन 6.03 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म का दो दिनों का कुल कलेक्शन 14.49 करोड़ रुपये हो गया है. धुरंधर ने 22वें दिन कार्तिक की फिल्म से ज्यादा कलेक्शन किया है. भारत में अभी तक 9 फिल्में ही 1000 करोड़ रुपये के माइलस्टोन को छू पाई हैं. सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म पुष्पा 2 है. बता दें, बॉलीवुड से धुरंधर चौथी 1000 करोड़ी फिल्म है. सबसे पहले आमिर खान की फिल्म दंगल ने 1000 करोड़ी क्लब शुरू किया था, जिसका रिकॉर्ड बाहुबली 2 ने तोड़ा था. शाहरुख खान की दो फिल्में पठान और जवान 1000 करोड़ी क्लब में शामिल हैं. धुरंधर रणवीर सिंह के करियर की पहली, बॉलीवुड की चौथी और इंडिया की 9वीं 1000 करोड़ी फिल्म है. वहीं, रणबीर कपूर एनिमल से इस माइलस्टोन तक पहुंचने से चूक गए थे. एनमिल ने 917 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था.

बैड गर्लज़ की बढ़ती मांग के चलते शो और स्क्रीन की संख्या में वृद्धि हुई है

30 रोजुलो प्रेमिंचदाम इला फेम फणी प्रदीप धुलिपुडी द्वारा निर्देशित बैड गर्लज़ सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है। फिल्म का निर्माण प्रश्विता एंटरटेनमेंट, नीली नीली आकाशम क्रिएशन्स और एनवीएल क्रिएशन्स के बैनर तले किया गया है। बैड गर्लज़ में आंचल गौड़ा, पायल चेंगप्पा, रोशिनी, यशना, रोहन सूर्या, मोइन और रोहन सूर्या मुख्य कलाकार हैं। निर्माता ससिधर नल्ला, एम्मादी सोमा नरसैया, रामिसेट्टी रामबाबू और रावुला रमेश ने कहा है कि दर्शकों की बढ़ती मांग के जवाब में उन्होंने अतिरिक्त शो जोड़े हैं। निर्देशक फानी प्रदीप धुलिपुडी (मुन्ना) ने कहा कि भले ही फिल्म छोटी हो, लेकिन विषयवस्तु के लिहाज से बहुत बड़ी है। इस फिल्म की मुख्य ताकत अनुप रुबेंस का संगीत और चंद्रबोस के गीत हैं। इन्हीं दो कारणों से हमारी फिल्म सबको और भी पसंद आ रही है। मैंने लोगों से कहा था कि वे तभी थिएटर आएं जब उन्हें हमारा टीज़र, गाने और ट्रेलर पसंद आए हों। महामारी के दौरान रिलीज़ हुई फिल्म 30 रोजुल्लो प्रेमिनचदम एला बड़ी हिट साबित हुई। मेरी नई फिल्म बैड गर्लज़ भी हिट है। हमारे निर्माताओं को पूरा भरोसा था कि चाहे कितनी भी प्रतिस्पर्धा हो, हम हिट फिल्म दे सकते हैं, और अब यह सच साबित हो गया है। फिलहाल, निर्माता सिनेमाघरों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। हमने इस फिल्म को पूरी ईमानदारी से बनाया है। यह फिल्म लड़कियों के लिए बनी है। अगर जाति रत्नलू में लड़कियां मुख्य भूमिका में होतीं, तो हमारी फिल्म भी वैसी ही होती। अगर आपको जाति रत्नलू और मैड पसंद आई थीं, तो आपको हमारी फिल्म भी पसंद आएगी। कृपया इसी तरह हमारी फिल्म का समर्थन करते रहें, उन्होंने कहा। निर्माता शशिधर नल्ला ने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हर कलाकार ने हमारा भरपूर समर्थन किया। मुझे सिनेमाघरों से फोन आ रहे हैं, जिसमें शो और स्क्रीन की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया जा रहा है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, आपने हमारी छोटी सी फिल्म को एक शानदार सफलता में बदल दिया है। हमारी फिल्म को प्रोत्साहित करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। निर्माता रामिसेट्टी रामबाबू ने अपनी फिल्म को कड़ी मेहनत का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, अच्छी कहानी के साथ, हमने दर्शकों के लिए एक बेहतरीन फिल्म पेश की। यह मानते हुए कि यह एक अच्छी फिल्म है, हमने इसे कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच रिलीज़ किया और सफलता हासिल की। अनुप रुबेंस और चंद्रबोस गारू का हमारी फिल्म के प्रति समर्थन के लिए धन्यवाद। बढ़ती मांग को देखते हुए, हम स्क्रीन और शो की संख्या बढ़ा रहे हैं। रोहन सूर्या ने इस फिल्म को अपने फिल्मी सफर की नींव बताया। उन्होंने कहा, निर्देशक ने कहानी को बेहद खूबसूरती से सुनाया। जब मुझे पता चला कि अनुप रुबेंस संगीत दे रहे हैं और चंद्रबोस गीत लिख रहे हैं, तो मैंने तुरंत फिल्म करने का फैसला कर लिया। यह तो मेरे लिए बस शुरुआत है। मुझे खुशी है कि फिल्म को इतना अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। कृपया हमारी टीम को इसी तरह समर्थन देते रहें। पायल चेंगप्पा ने कहा, मुझे इतना अच्छा रोल देने के लिए निर्देशक और निर्माताओं का धन्यवाद। फिल्म का पहला भाग युवाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जबकि दूसरा भाग पूरी तरह से भावनात्मक है और पूरे परिवार के साथ देखने के लिए उपयुक्त है। हमारी फिल्म देखने वाले सभी लोग भावुक हो रहे हैं और उनकी आंखों में आंसू भी आ रहे हैं। फिल्म ने सभी के दिलों को छू लिया है। यह मेरी पहली फिल्म है। कृपया हमारी फिल्म का समर्थन करें। रोशनी ने कहा, मुझे रोजी रेड्डी का किरदार देने के लिए निर्देशक और निर्माताओं का धन्यवाद। दर्शक फिल्म बैड गर्लज़ को खूब पसंद कर रहे हैं। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे हर लड़की और हर परिवार को देखना चाहिए। इसमें हर तरह के तत्व मौजूद हैं। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं। मोइन ने कहा कि फिल्म सभी वर्गों के दर्शकों को पसंद आ रही है। उन्होंने कहा, मुझे इस फिल्म में लेने के लिए निर्देशक मुन्ना गारू का धन्यवाद। इस सफर में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद। हमारी फिल्म को लेकर लोगों में काफी अच्छी प्रतिक्रिया आ रही है। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि वे इस फिल्म को और भी ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद करें।

अब फिल्मों को चिल्लाने की जरूरत नहीं, दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं: वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता। अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे बताया कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

जख्म लगे तो मेडल समझना.. मौत दिखे तो... बैटल ऑफ गलवान का धांसू टीजर रिलीज, सलमान खान का दिखा डेयरिंग अंदाज

सलमान खान ने आज 27 दिसंबर को अपने 60वें बर्थडे पर फैंस को गिफ्ट दे दिया है. आज 27 दिसंबर की दोपहर तीन बजे सलमान खान ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर शेयर कर फैंस को जश्न मनाने का बड़ा मौका दिया है. बैटल ऑफ गलवान के टीजर के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है. बैटल ऑफ गलवान के लिए फैंस को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा. चलिए जानते हैं कब रिलीज होगी फिल्म बैटल ऑफ गलवान और देखते हैं कैसा इसका टीजर. बैटल ऑफ गलवान का टीजर सलमान खान के धांसू सीन और डायलॉग से शुरू होता है. सलमान खान टीजर में कह रहे हैं, जवानों याद रहे, जख्म लगे

तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना, और कहना, बिरसा मुंडा की जय, बजरंग बली की जय, भारत माता की जय. इतना कहने के बाद सलमान खान आर्मी की वर्दी में स्लो मोशन में चलते दिखते हैं और बैकग्राउंड में राष्ट्रगान की ट्यून बजती है, जो देशभक्ति का जज्बा जगाने का काम करती है. अगले सीन में सलमान खान चीन को लाल आंख दिखाते दिख रहे हैं और हाथ में लकड़ी का बड़ा टुकड़ा लेकर चीन की आर्मी से भिड़ने की पॉजिशन में खड़े हो जाते हैं. यह सीन शरीर में रोंगटे खड़े करने वाला है. बता दें, फिल्म 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होने जा रही है. बैटल ऑफ गलवान फिल्म में सलमान खान, गलवान घाटी झड़प के शहीद हुए भारतीय सेना के अधिकारी कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उनकी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण आर्मी रोल है, जिसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले एक सैनिक के रूप में दिखेंगे. फिल्म का निर्देशन अपूर्व लखिया ने किया है और फिल्म में सलमान खान की हीरोइन चित्रांगदा सिंह होंगी. आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वुमन स्पाई फिल्म अल्फा पहले 17 अप्रैल को रिलीज होनी थी और अब यशराज की फिल्म सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से भिड़ने के मूड में नहीं है. अब अल्फा 17 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी. अल्फा के मेकर्स जल्द ही फिल्म की नई रिलीज डेट जारी करेंगे.

जेम्स कैमरन की अवतार-फायर एंड ऐश 100 करोड़ क्लब में शामिल, अवतार 3 ने भारत में मील का पत्थर पार किया

जेम्स कैमरन की अवतार: फायर एंड ऐश ने भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है, क्रिसमस के दिन 13.5 करोड़ और 26 दिसंबर को 7 करोड़ की कमाई हुई, जिससे कुल कमाई 117 करोड़ हो गई है। यह फिल्म इंग्लिश, हिंदी, तेलुगु और तमिल में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और इसका ग्लोबल कलेक्शन 5,000 करोड़ से ज़्यादा हो गया है। फिल्म की सफलता का श्रेय इसकी बड़ी स्टार कास्ट को जाता है, जिसमें सैम वर्थिंगटन, ज़ोई सल्डाना, स्टीफन लैंग और सिगोरनी वीवर शामिल हैं, साथ ही इसकी शानदार कहानी भी एक वजह है।

कैमरन ने पहले ही 2029 और 2031 में आने वाले सीक्वल के बारे में हिंट दिया है, जिससे फैंस और भी ज़्यादा उत्साहित हैं। अवतार: फायर एंड ऐश भारत में 2025 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फ़िल्म बन गई है, जिसने मिशन: इम्पॉसिबल द फ़ाइनल रेकनिंग (100.56 करोड़), एफ1 (102.82 करोड़), और जुरासिक वर्ल्ड रिबर्थ (100.56 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है। फ़िल्म का मौजूदा कलेक्शन 117 करोड़ रुपये है, जिससे यह अवतार फ्रैंचाइज़ी की सबसे कम कमाई करने वाली किस्त बन गई है। क्रिसमस और नए साल के फेस्टिव सीज़न के पूरे ज़ोर पर होने के कारण, अवतार: फायर एंड ऐश भारत में पहली अवतार फ़िल्म के 141.25 करोड़ के नेट कलेक्शन को पार करने की राह पर है। हालांकि, अवतार: द वे ऑफ़ वॉटर के 390.6 करोड़ के कलेक्शन तक पहुँचने के लिए इसे अभी भी लंबा रास्ता तय करना है।

VC Appointment at MGCU Under Legal Scanner

Sagar Suraj/ MOTIHARI

Speaking to Border News Mirror, Proctor of MGCU Prof. (Dr.) Prashun Datt stated that eligibility calculations in Bihar consider experience from the due date of promotion, not merely the date of formal approval, and confirmed that a formal reply is being prepared.

A legal storm has engulfed Mahatma Gandhi Central University (MGCU), Motihari, following a notice challenging the appointment of its Vice-Chancellor, Prof. Sanjay Shrivastva. A serious legal challenge has emerged, bringing questions of eligibility, statutory compliance, and transparency to the forefront. The appointment of Prof. Sanjay Srivastava is under scrutiny following a formal legal notice alleging violation of mandatory norms prescribed under the University Grants Commission (UGC) Regulations, 2018. The challenge has been initiated by academician Dr. Sandeep Pahal of Meerut through Advocate Alok Anand and has been served upon the UGC and the Ministry of Education. At the center of the dispute is Regulation 7.3.0(i) of the UGC Regulations, 2018, which requires a Vice-Chancellor to possess a minimum of ten years' experience as a Professor in a university, or equivalent experience in a reputed research or academic administrative organization. These regulations, framed under Section 26 of the UGC Act, 1956, have statutory force and are binding on all universities across India. According to the notice, the Ministry's advertisement dated 21 May 2022 for the MGCU Vice-Chancellor post explicitly adopted these UGC norms. However, information obtained under the Right to Information Act from Banaras Hindu University (BHU) indicates that Prof. Srivastava was promoted to the rank of Professor (Stage-5) only on 4 October 2012 after approval by BHU's Executive Council. Based on this date, the petitioner argues that by the June 2022 cut-off, Prof. Srivastava had completed only nine years and eight months of service as a Professor, falling short of the mandatory ten-year requirement. The notice draws strength from judicial precedents as well . In a 2022 ruling, the Supreme Court of India clarified that experience in non-teaching bodies cannot be equated with experience "as Professor" under UGC Regulation 7.3.0. Similarly, the Himachal Pradesh High Court in Dr. Dharam Pal Singh v. State of H.P. (2021), relying on Union of India v. M. Bhaskar (1996), held that notional or retrospective promotions cannot be counted for eligibility; only actual service from the date of promotion is valid. The notice, issued under Section 80 of the Civil Procedure Code, 1908, alleges procedural arbitrariness in the selection process and seeks an immediate review of the appointment. It also flags alleged inconsistencies in Prof. Srivastava's curriculum vitae regarding his Fulbright association with American University, Washington D.C., suggesting possible misrepresentation. He was there as visiting scholar instead of visiting professor, Pahal claimed. Responding to the allegations, MGCU officials defended the appointment. Speaking to Border News Mirror, Prof. (Dr.) Prashun Datt stated that eligibility calculations in Bihar consider experience from the due date of promotion, not merely the date of formal approval, and confirmed that a formal reply is being prepared. Meanwhile, sources indicate that no Bihar-specific regulation overrides UGC norms, reinforcing their statutory supremacy. If no action is taken within 60 days, the petitioner plans to approach the courts, potentially triggering a precedent-setting ruling on how "experience" under UGC Regulation 7.3.0(i) must be legally computed, notice reads

Vice Chancellor Sanjay Kumar Shrivastava

The Building of Mahatma Gandhi Central University located in Bankat, Motihari

Fire broke out in the OT of a private hospital, brought under control after an hour's effort by 8 fire engines

New Delhi,Agency: A fire broke out at Madhukar Rainbow Children's Hospital in Malviya Nagar, South Delhi, on Sunday morning. Smoke rose from the first-floor intensive care unit, causing widespread panic. Upon receiving the information, eight fire engines, along with police, arrived at the scene. Relief and rescue operations began by evacuating patients to safety. After about an hour of effort, the fire was brought under control. Smoke terrified people in the hospital. No one was injured in the incident. The Malviya Nagar police station is investigating the matter. After initial investigations, it is suspected that a short circuit caused the fire.

The crime team and FSL have collected evidence from the scene. Police are gathering information from the hospital OT as well as other staff. A doctor returning after treating a patient was robbed, accused arrested New Delhi. Jahangirpuri resident Dr Ram Bharose (70) was returning from the hospital after treating a patient, when he was robbed by three people including a minor near Azadpur Sabji Mandi.

A decisive crackdown against criminals Jump on bail bond

Sagar Suraj

MOTIHARI: A decisive campaign against crime has been launched in Motihari, the headquarters of East Champaran district, marking a major push to strengthen law and order. Under the leadership of Superintendent of Police Swarn Prabhat, the police have intensified sustained operations that are already showing visible results on the ground. The latest phase of the drive targets criminals who secured bail and then absconded, signaling a zero-tolerance approach toward misuse of legal relief. As part of this action, the SP has released a list of 18 most-wanted criminals, announcing a reward of 5,000 on each. These accused are wanted in serious criminal cases registered across multiple police station areas . Special police teams have been formed and are conducting continuous raids to track them down and ensure swift arrests.Notorious names such as Narad Sahni, Umar Farooq, Himanshu Kumar, Kundan Upadhyay, Ajay Sahni, Munna Mansoori, and Bhajju Thakur feature on the list. SP Prabhat has made it clear that those who exploit bail to evade the law will no longer be shown any leniency. Non-bailable warrants, proclamations, and property attachment proceedings have already been initiated against all the listed accused. To strengthen the operation through public participation, the SP has taken the unusual step of sharing his personal mobile number, urging citizens to provide information about the wanted criminals. He has assured that informants' identities will remain strictly confidential and that rewards will be paid promptly. This crackdown is part of a broader series of successful operations led by SP Prabhat in recent months, during which police have acted firmly against liquor mafias, cyber fraudsters, and vehicle-lifting gangs. As a result, crime rates have declined and public confidence in the police has grown. Sources say the release of the reward list has caused panic among criminals, with some reportedly considering surrender. Reinforced by technical surveillance and network tracking, the police aim to send a clear message that Motihari has no space for crime, and this fight is for a safer future for society.

5 held for Rs12-cr property fraud

New Delhi, Agency: The police said the accused lured the complainant by offering ownership of a high-end apartment allegedly acquired through a bank auction. The gang convinced the victim to transfer a total of Rs 12.04 crore between August and October 2024. The main accused, Mohit Gogia, along with his associates, allegedly operated a racket that targeted wealthy buyers by offering premium properties at throwaway prices. Investigators said the syndicate had cheated victims of over Rs 200 crore across states.

A case was registered on June 13, following which the Crime Branch launched a detailed probe. Gogia was arrested on November 22 near Doiwala in Uttarakhand while attempting to flee. Subsequent raids led to the arrest of four others — Vishal Malhotra, Sachin Gulati, Abhinav Pathak and Bharat Chhabra, for their roles in routing funds, preparing forged documents and facilitating fraud.

Constable's concealment of information proved costly

New Delhi,Agency: The Delhi High Court has overturned the Central Administrative Tribunal's (CAT) decision regarding disciplinary action against Delhi Police constable Anuj Kumar. The court held that the CAT had granted the constable's petition on incorrect grounds and also overturned the fines of ?10,000 each imposed on departmental officials. Following this decision, constable Anuj Kumar will now have to serve a five-year sentence of forfeiture of service, which will be implemented with a proportionate reduction in his pay.

An FIR was filed against a constable in the Muzaffarnagar riots.

In 2013, an FIR was filed at the Fugana police station in Muzaffarnagar, accusing Anuj Kumar and several others of robbery, arson, and hurting religious sentiments (sections 395, 436, and 295A of the Indian Penal Code). Anuj Kumar, a constable with the Delhi Police, was informed of the FIR on June 8, 2014, but did not inform the department. Based on this, a departmental inquiry was initiated in 2014 under the Delhi Police (Punishment and Appeal) Rules, 1980. The investigating officer found the charges proved. On January 14, 2016, the Deputy Commissioner of Police sentenced him to five years' suspension of service. This sentence was upheld on appeal. However, on May 27, 2019, a Muzaffarnagar court acquitted Anuj Kumar of the criminal case because witnesses had turned hostile. Anuj then filed a petition with the CAT, which accepted his position on December 5, 2022. The CAT quashed the departmental orders and imposed a fine of ?10,000 each on the DCP and Additional CP, along with 6% interest on the back payments.

The court said the case against the constable was one of concealment of information.

The Delhi government and police challenged this decision in the High Court. The High Court stated that the CAT had mistakenly held that the disciplinary action was based on involvement in the riots, when the real issue was concealment of information. The court noted that Anuj Kumar himself admitted that he was aware of the FIR but did not disclose it. The court quashed the fine, calling it unjustified, and held that there was no perversity in the departmental inquiry.

Rape victim pleads guilty in High Court, accused acquitted

The Delhi High Court has overturned the trial court's 10-year sentence in a rape case, acquitting the accused due to lack of evidence. A single bench of Justice Amit Mahajan stated that the prosecution failed to provide evidence of the victim's juvenile status and that the witnesses' testimony was contradictory. The court stated that a DNA report can only determine physical contact, not lack of consent. The case relates to an FIR lodged at the Khyala police station in 2014. In the FIR, the 17-year-old victim alleged that her landlord's brother-in-law raped her on the night of November 10, 2014, a day before Diwali. The victim stated that the accused threatened to kill her family if she revealed the incident. After the incident, the victim's mother beat the accused, but he fled. A medical examination also confirmed the allegations. On November 7, 2022, the trial court (Tis Hazari) convicted Faisal under sections 342 (wrongful confinement) and 376 (rape) of the Indian Penal Code and section 4 of the POCSO Act. On December 17, 2022, he was sentenced to 10 years' rigorous imprisonment and a fine. The court cited the FSL report, which found the accused's DNA on the victim's clothing and swab. Witnesses turned hostile in the High Court.On appeal to the High Court, Justice Mahajan stated that witnesses had turned hostile. The victim, her brother, and her mother denied identifying the accused. The mother stated that she hadn't seen his face and had only named him based on suspicion.

The court noted that the complaint was filed a day late, even though the accused lived in the same building. Regarding the DNA report, the court stated that it only proved physical contact, but not lack of consent. The prosecution failed to prove the victim's age as a minor, so POCSO cannot be applied.

HC suspends sentence of 6 convicts in CGHS scam

The High Court has suspended the sentences of six individuals convicted in a fraud and conspiracy case related to the revival of Safdarjung CGHS Limited (Central Government Employees Housing Society) pending appeal. A bench of Justice Ajay Digpal directed the release on bail of Ashwani Sharma, Ashutosh Pant, Manoj Vats, Karamveer Singh, Sudarshan Tandon, and Narendra Kumar. They were all found guilty in a CBI investigation and sentenced by the trial court under various sections.The case relates to the revival of Safdarjung CGHS Limited. The allegation is that the society's records were falsified and forged documents were prepared on the basis of which they obtained the allotment of 5,000 square meters of land in Dhirpur, Delhi. The CBI alleged that these individuals committed offenses under various sections. The trial court (Special Judge, PC Act, CBI-15, Rouse Avenue) convicted them on October 13, 2025, and sentenced them on October 31. It carried a maximum sentence of five years' rigorous imprisonment and a fine of up to one lakh rupees. In their appeals to the High Court, the accused argued that the convictions were based primarily on the opinion of a handwriting expert, which was weak and uncorroborated. In the judgment, Justice Digpal said that the appeal raised several substantive issues, which would be examined at the final hearing.

Man killed as Tatanagar-Ernakulam Express

New Delhi, Agency: A man was killed as two compartments of the Tatanagar-Ernakulam Express caught fire at Yalamanchili, 66 km from here, police said on Monday.

The police received information about the fire at 12.45 am.

A police official told reporters that there were 82 passengers in one of the affected coaches and 76 in another when the train caught fire.

"Unfortunately, a dead body was found in the B1 coach," the official added.

The deceased was identified as Chandersekhar Sundaram.

The two damaged coaches were detached from the train, which proceeded towards Ernakulam. The passengers in the damaged coaches will be sent to their destinations.

Two forensic teams are working to ascertain the cause of the fire, the police official said.

The South Central Railway (SCR), in a statement, said B1 and M2 coaches of the train (No.18189) caught fire and the Railway staff swiftly acted and immediately informed the fire brigade.

The Railway officials also swung into action and assisted passengers in de-boarding the train.

The fire brigade reached the spot and extinguished the fire.

As a precaution, both the affected coaches and an additional AC III Tier Coach (M1) were detached.

The remaining coaches are currently being moved to Samalkot railway station, where three empty replacement coaches will be attached to the formation.

Meanwhile, passengers from the affected coaches are being shifted to Samalkot station by arranging buses.

The Commissioner of Railway Safety and other senior officials of SCR have rushed to the site, alongside forensic and medical teams to determine the cause of the fire and assess any casualties.

All necessary precautions in coordination with local administration are being taken, even as the SCR has set up Helpline Numbers to provide assistance and train running information, the release added.